Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 232 | मंगलवार, 01 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पीएम मोदी बोले- बुरा-भला कहने वालों की हार हुई

आरबीआई के अनुमानों को पीछे छोड़ भारत की 7.8% जीडीपी ग्रोथ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारत के आर्थिक विकास पर सवाल उठाने वाले आलोचकों पर निशाना साधा। दरअसल, सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में अर्थव्यवस्था ने उम्मीद से बेहतर 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि दर्ज की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने इस तिमाही वृद्धि को उत्कृष्ट प्रदर्शन बताया।

उन्होंने कच्चे तेल की कीमतों के झटकों, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों और वैश्विक अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए इसे एक अभूतपूर्व व भागीरथ उपलब्धि करार दिया। पीएम मोदी ने कहा कि 'बुरा-भला कहने वालों की हार हुई और भारत एक बार फिर खिल उठा! उनके ये बयान सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के उस डेटा के ठीक बाद आए, जिसमें दिखाया गया कि भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ी। यह भारतीय रिजर्व बैंक के 7 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से ज्यादा थी। हालांकि, पहली तिमाही की यह वृद्धि पिछली तिमाही में दर्ज 8.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की तुलना में धीमी थी। फिर भी, यह 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में दर्ज 6.9 प्रतिशत की वृद्धि से ज्यादा थी। ताजा आँकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। ईरान में संघर्ष और ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर उसके असर के कारण बढ़ी हुई जियोपॉलिटिकल और आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद भारत की विकास दर मजबूत बनी हुई है।

उम्मीद से ज्यादा तेजी से हुए इस विस्तार से पता चलता है कि एनर्जी की ज्यादा कीमतों, महंगाई के दबाव और ग्लोबल स्तर पर कम मांग की चिंताओं के बावजूद घरेलू आर्थिक गतिविधियाँ मजबूत बनी हुई हैं। RBI ने अनुमान लगाया है कि पूरे 2026-27 फाइनेंशियल ईयर के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

MoSPI के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में स्थिर कीमतों पर वास्तविक GDP का अनुमान 81.36 लाख करोड़ रुपये लगाया गया था, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 75.46 लाख करोड़ रुपये था। मौजूदा कीमतों पर नॉमिनल GDP का अनुमान 88.27 लाख करोड़ रुपये लगाया गया, जबकि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में यह 80 लाख करोड़ रुपये था; यह 10.3 प्रतिशत की विकास दर को दशार्ता है।

सीएम योगी जनता दर्शन: भाई ने बताई बहन की तकलीफ

भावुक हुए सीएम ने लोहिया अस्पताल में कराया भर्ती

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को 'जनता दर्शन'. में अयोध्या से आए श्याम सोनकर ने अपनी बहन के गंभीर रूप से बीमार होने की वजह से इलाज कराने की गुहार लगाई। वह उसे इलाज के लिए राजधानी लेकर आया था। सीएम ने उसकी बहन को तत्काल लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज भी शुरू हो गया है। श्याम ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनकी बहन बबिता कुछ दिनों से अयोध्या में भर्ती थीं, डॉक्टरों ने उसे लखनऊ रेफर किया है। उसका परिवार बहुत गरीब है, इसलिए इलाज में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीएम ने अपने आवास से तत्काल पीड़िता को एंबुलेंस से डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान भिजवाया, जहां उसका इलाज शुरू हो गया। सीएम ने पीड़िता के परिजनों को जल्द से जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। इसके अलावा 'जनता दर्शन'. में कई अन्य लोग भी इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को देकर कहा कि इलाज से जुड़ी एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने आश्वस्त किया कि धन की कमी के कारण किसी का इलाज नहीं रुकेगा। 'जनता दर्शन'. में एक मासूम अपनी मां के साथ आई थी।

अंकित बालियान मर्डर केस में गोगी गैंग के दो शूटर पुलिस एनकाउंटर में ढेर

पीड़ित परिवार ने जताया सीएम योगी का आभार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणवी गायक और अभिनेता अंकित बालियान हत्याकांड में उत्तर प्रदेश पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर जितेंद्र गोगी गिरोह से जुड़े दो शूटरों को मुठभेड़ में मार गिराया। सोमवार सुबह शामली के औद्योगिक क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में 50-50 हजार रुपये के इनामी बदमाश सुमित और मोहित ढेर हो गए। दोनों सोनीपत के रहने वाले बताए गए हैं। कार्रवाई में दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। पुलिस ने मौके से हथियार और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई जब पुलिस अंकित बालियान की हत्या के बाद फरार शूटरों की तलाश में लगातार दबिश दे रही थी। जांच में सामने आया कि हत्या में कुल चार शूटर शामिल थे। अंकित की हत्या के बाद सुमित और मोहित बागपत और लोनी के रास्ते सोनीपत भागने की कोशिश में थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया सूचनाओं के आधार पर उनके संभावित रास्तों की निगरानी तेज कर दी थी। आज तड़के औद्योगिक क्षेत्र में पुलिस टीम ने दोनों को घेर लिया। पुलिस के मुताबिक, बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में दोनों घायल हुए और अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार दोनों बदमाश गोगी गैंग से जुड़े थे और अंकित बालियान की हत्या में उनकी भूमिका सामने आई थी। मुठभेड़ के दौरान दोनों पर 20 से अधिक गोलियां लगने की बात सामने आई है।

पेट्रोल में इथेनॉल की सटीक मात्रा दर्शाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उस जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें केंद्र सरकार और अन्य संबंधित पक्षों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि देशभर के पेट्रोल पंप पर पेट्रोल में मौजूद एथनॉल की सटीक मात्रा अनिवार्य रूप से बतायी जाए। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने कहा कि वह संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस जनहित याचिका पर सुनवाई नहीं करेगी। अनुच्छेद 32 नागरिकों को सीधे उच्चतम न्यायालय का रुख करने का अधिकार देता है।

पीठ ने याचिकाकर्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी से कहा कि वह राहत के लिए संबंधित क्षेत्राधिकार वाले उच्च न्यायालय का रुख कर सकते हैं। केंद्र सरकार की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कहा कि यह एक तरह की परोक्ष/प्रतिनिधि याचिका है, क्योंकि इसी तरह के मुद्दे से जुड़ी एक याचिका को अदालत पहले ही खारिज कर चुकी है। अटॉर्नी जनरल ने कहा, ''याचिकाकर्ता चाहता है कि भारत सरकार उसके प्रति जवाबदेह हो।''. गोस्वामी ने दलील दी कि उन्हें यह जानने का अधिकार है कि पेट्रोल पंप पर उन्हें दिए जा रहे पेट्रोल में कौन-कौन से घटक और कितनी मात्रा में मौजूद हैं। उन्होंने कहा, ''सिर्फ मुझे ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी यह जानकारी दी जानी चाहिए कि उन्हें दिए जा रहे ईंधन में क्या-क्या शामिल है।''. उन्होंने कहा कि रसीद में एथनॉल की मात्रा का कोई उल्लेख नहीं होता। गोस्वामी ने दलील दी कि अटॉर्नी जनरल ने पिछली सुनवाई के दौरान एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम को एक 'प्रयोग'. बताया था। उन्होंने कहा कि बाद में सरकार ने स्पष्टीकरण जारी कर ऐसी कोई बात कहे जाने से इनकार किया। पीठ के समक्ष पेश हुए गोस्वामी से शीर्ष अदालत ने कहा कि वह अपनी दलीलें उच्च न्यायालय के सामने रखें। गोस्वामी ने यह निर्देश देने का भी अनुरोध किया है कि ईंधन के हर बिल पर बेचे गए पेट्रोल में एथनॉल का प्रतिशत स्पष्ट और पढ़ने योग्य तरीके से दर्ज किया जाए। याचिका में यह भी अनुरोध किया गया कि केंद्र सरकार और अन्य संबंधित पक्ष एक निश्चित समयसीमा के भीतर वाहन के हिसाब से ईंधन की अनुकूलता का एक आधिकारिक और सार्वजनिक डेटाबेस तैयार करके प्रकाशित करें। यह डेटाबेस निमार्ता कंपनी, मॉडल, इंजन के प्रकार और निर्माण वर्ष के आधार पर खोजने योग्य हो तथा इसमें यह बताया जाए कि अलग-अलग वाहनों के लिए एथनॉल के विभिन्न मिश्रण उपयुक्त हैं या नहीं।

याचिका में एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित करने का भी अनुरोध किया गया। इसमें पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय मानक ब्यूरो के प्रतिनिधियों के साथ-साथ स्वतंत्र ऑटोमोबाइल इंजीनियरों और अन्य विशेषज्ञों को शामिल करने का अनुरोध किया गया है।

इस समिति से मौजूदा वाहनों में ई20 ईंधन (20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) की वास्तविक परिस्थितियों में अनुकूलता की जांच कर इस संबंध में एक सार्वजनिक रिपोर्ट पेश करने का अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है कि समिति को अपनी रिपोर्ट में ई20 के ईंधन दक्षता, इंजन की उम्र/टिकाऊपन, रखरखाव की लागत, वाहन की वारंटी और बीमा पर पड़ने वाले प्रभाव का भी आकलन करना चाहिए। इसके अलावा, समिति को इसके कुल पर्यावरणीय प्रभाव की भी जांच करनी चाहिए, जिसमें वाहनों से निकलने वाला धुआं और एथनॉल के उत्पादन में होने वाली पानी की खपत शामिल है।

'मनी लॉन्ड्रिंग के पैसों से पृथ्वी पर हर किसी के लिए लैपटॉप खरीदा जा सकता है': सीजेआई सूर्यकांत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लंदन में एक कार्यक्रम में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने कहा कि दुनिया भर में सिर्फ एक साल में मनी लॉन्ड्रिंग (काले धन को सफेद करने) के जरिए जितना पैसा इधर-उधर किया जाता है, वह धरती पर मौजूद हर व्यक्ति के लिए एक साधारण लैपटॉप खरीदने के लिए काफी से ज्यादा है।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक क्राइम (आर्थिक अपराध) पर 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम में बोलते हुए चीफ जस्टिस कांत ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका ने डिजिटल अरेस्ट स्कैम जैसे नए तरह के धोखाधड़ी वाले मामलों पर संसद के कदम उठाने का इंतजार करने के बजाय खुद ही तेजी से कार्रवाई की है।

उन्होंने कहा, 'आज अगर मनी लॉन्ड्रिंग के ग्लोबल अनुमान मोटे तौर पर भी सही हैं तो दुनिया एक साल में इतना पैसा लॉन्डर करती है कि उससे धरती पर मौजूद सभी आठ अरब लोगों के लिए एक साधारण लैपटॉप खरीदा जा सकता है और फिर भी कुछ पैसे बच जाएंगे।'

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'और गैर-कानूनी तरीके से जमा की गई उस भारी-भरकम दौलत में से सबसे उदार अनुमान के मुताबिक भी सौ में से एक हिस्सा भी वापस नहीं मिल पाता। अगर मैं इसे और आसान भाषा में कहूं तो उस दौलत के हर सौ हिस्सों में से 99 हिस्सों का जिक्र सिर्फ भाषणों और रिपोर्टों में होता है, जबकि असल में सिर्फ एक हिस्सा ही ठीक हो पाता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं इन आंकड़ों के जरिए इतनी प्रतिष्ठित सभा को परेशान करने के लिए कैम्ब्रिज नहीं आया हूं, बल्कि इस बात पर जोर देने आया हूं कि ठीक इसी वजह से हम सब इस हफ्ते यहां इकट्ठा हुए हैं।'

अमित शाह की पहल, बिहार-झारखंड में सोन नदी जल बंटवारे पर हुआ ऐतिहासिक एमओयू

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में बिहार और झारखंड सरकारों ने सोन नदी के पानी के बंटवारे को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता गृह मंत्री की अध्यक्षता में हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक के दौरान हुआ। इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ-साथ केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और दोनों राज्यों तथा गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। इसके अलावा, शुक्रवार को शाह ने घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र के बोपल, घुमा, शेला और आस-पास के इलाकों में BKM स्कूल में आयोजित 'लोक दरबार' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। वहां मौजूद लोगों से बात करते हुए, शाह ने स्थानीय निवासियों के साथ अपने 30 साल से ज्यादा पुराने, गर्मजोशी भरे और पारिवारिक रिश्तों का ज़िक्र किया। उन्होंने लगभग 20-21 इंच की भारी बारिश से हुई हालिया दिक्कतों और निवासियों को हुई परेशानी का भी ज़िक्र किया।

शाह ने बताया कि बाढ़ का पानी उतरने के अगले ही दिन से बारिश के पानी की निकासी के स्थायी इंतजाम के लिए जमीनी स्तर पर योजना बनाने का काम शुरू हो गया था। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि भविष्य में 30 इंच तक बारिश होने पर भी घरों और हाउसिंग सोसायटियों में पानी जमा होने से रोकने के लिए व्यापक और समय पर उपाय किए जा रहे हैं। इसके अलावा, शाह ने बोपल, घुमा, शेला और आस-पास के नए विकसित इलाकों में पीने का पानी पहुँचाने के लिए जसपुर से एक पाइपलाइन बिछाने की घोषणा की। इस पाइपलाइन से निवासियों को नर्मदा का साफ और पर्याप्त पीने का पानी मिल सकेगा। उन्होंने इस इलाके में हुए बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का ज़िक्र करते हुए बताया कि कैसे यह इलाका ग्राम पंचायत से आगे बढ़कर सड़कों, मेट्रो कनेक्टिविटी, AMTS सेवाओं, फ्लाईओवर, ड्रेनेज और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जैसी सुविधाओं से लैस हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट का सीजेपी मार्च पर रोक से इनकार, दिल्ली पुलिस और केंद्र को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी' द्वारा दिल्ली में 5 सितंबर को प्रस्तावित विरोध मार्च में दखल देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के बारे में फैसला केंद्र और दिल्ली सरकारों को करना है और इस बात पर जोर दिया कि सभी संबंधित पक्षों से शांतिपूर्ण ढंग से और कानूनी दायरे में रहकर काम करने की उम्मीद की जाती है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने कहा कि उनके सामने ऐसी कोई 'मजबूर करने वाली परिस्थितियां' नहीं थीं जिनसे यह माना जा सके कि प्रस्तावित लामबंदी हिंसक हो जाएगी। साथ ही, बेंच ने अधिकारियों पर यह फैसला छोड़ दिया कि मार्च निकाला जा सकता है या नहीं और किन शर्तों पर। बेंच ने कहा हमें शक करने की कोई वजह नहीं है कि हर कोई शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से व्यवहार करेगा... अभी हमारे सामने ऐसा कुछ मानने या सोचने की कोई ठोस वजह नहीं है।

समुद्र में सुरक्षा कवच हुआ मजबूत: आईएनएस निपुण नौसेना में शामिल

नौसेना प्रमुख बोले- खतरे से निपटने को तैयार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने सोमवार को मुंबई में कहा कि बदलते वैश्विक रणनीतिक माहौल में समुद्री क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं। पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री मार्गों पर खतरे और क्षेत्र में बढ़ता सैन्यीकरण भारत के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। ऐसे समय में आईएनएस निपुण के नौसेना में शामिल होने से गहरे समुद्र में गोताखोरी, पनडुब्बी बचाव, आपदा राहत और मानवीय सहायता अभियानों की क्षमता मजबूत होगी। एडमिरल स्वामीनाथन मुंबई में भारतीय नौसेना में गहरे समुद्र में गोताखोरी करने वाले जहाज आईएनएस निपुण को शामिल किए जाने के मौके पर अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि हम आज रणनीतिक रूप से बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। समुद्री क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है और खतरों की प्रकृति भी लगातार बदल रही है तथा नए रूप ले रही है। पश्चिम एशिया में जारी उथल-पुथल, वैश्विक समुद्री मार्गों पर बढ़ते खतरे और क्षेत्र के देशों द्वारा तेजी से किए जा रहे सैन्य साजो-सामान के विस्तार के बीच पश्चिमी नौसेना कमान समुद्री क्षेत्र में सामने आ रही इन चुनौतियों से निपटने में सबसे आगे रहेगी। उन्होंने आगे कहा, 'हालांकि किसी खास समय पर हमारे देश को किन खतरों का सामना करना पड़ सकता है, उनके सटीक स्वरूप का अनुमान लगाना हमेशा संभव नहीं होता। लेकिन हम संभावित खतरों के लिए निश्चित रूप से तैयार रह सकते हैं और ऐसी मजबूत क्षमताएं विकसित कर सकते हैं, जो हमें इन चुनौतियों का मजबूती से सामना करने में सक्षम बनाएं, चाहे वे कहीं से भी पैदा हों।'

संपादक की कलम से

भागवत की अमेरिका यात्रा: भारतीय चिंतन की सार्थक प्रस्तुति

ललित शर्मा
संपादक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता'. कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया। यह यात्रा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और उसके विचार अब भारत की सीमाओं से बाहर भी व्यापक चर्चा का विषय बन रहे हैं। भागवत का अमेरिका जाना वस्तुतः संघ के विचार को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समझाने का अवसर बना। संघ के बारे में भारत में लंबे समय से दो विपरीत धारणाएं दिखाई देती रही हैं। एक पक्ष उसे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभावना, सेवा और सामाजिक संगठन की विराट शक्ति मानता है, जबकि दूसरा पक्ष उसके विचारों को संकीर्ण धार्मिक राजनीति से जोड़कर देखता है। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने समय-समय पर संघ और उसके विचारों पर गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाए हैं। अमेरिका में भी कार्यक्रम से पहले कुछ संगठनों और राजनीतिक व्यक्तियों ने भागवत की यात्रा और संघ की विचारधारा पर आपत्तियां व्यक्त कीं। ऐसे माहौल में किसी संस्था की वास्तविक छवि केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं बनती, वह संवाद से बनती है। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा महत्व है। भागवत ने अपने विचार विरोधियों पर आक्रमण करके नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन की व्याख्या करके सामने रखे। इससे संघ को लेकर बनी धारणाओं पर बहस का एक नया आधार तैयार हुआ। न्यूयार्क में भागवत के वक्तव्य का सबसे अधिक चर्चित पक्ष उनका हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर स्पष्ट कथन रहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमानों के लिए स्थान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह सकता। यह कथन राजनीतिक नारे से अधिक महत्वपूर्ण इसलिए है कि इसमें हिंदुत्व की उनकी व्याख्या को सामाजिक समावेश के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सत्य एक है और उसे समझने तथा व्यक्त करने के मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं। भारतीय परंपरा की यही विशेषता है कि वह मतभिन्नता को अस्तित्व के संकट के रूप में नहीं, बल्कि सत्य की विविध अभिव्यक्तियों के रूप में देखने की क्षमता रखती है। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है-यदि हिंदुत्व का अर्थ भारत की सांस्कृतिक चेतना है, तो क्या वह किसी समुदाय को भारत से बाहर कर सकता है? भागवत का उत्तर स्पष्ट रूप से नकारात्मक दिखाई देता है। उनका कथन हिंदुत्व की उस व्याख्या को सामने रखता है, जिसमें भारतीयता किसी एक पूजा-पद्धति की बपौती नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक विरासत है। भागवत ने अमेरिका में भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं, शक्ति बताया। उनके अनुसार विविधता और एकता भारत के स्वभाव में ही अंतर्निहित हैं। भारत में भाषा, जाति, पंथ, पूजा-पद्धति और परंपराओं की असंख्य धाराएं हैं, फिर भी इन्हें एक साझा सभ्यतागत चेतना जोड़ती रही है। यह संदेश आज के विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। अनेक देशों में धार्मिक पहचान, नस्लीय भेद, सांस्कृतिक असहमति और राजनीतिक ध्रुवीकरण सामाजिक तनाव बढ़ा रहे हैं।

किसी की प्यास ने बदल दी एक आईएएस अधिकारी की मंजिल

प्रो. आरके जैन
लेखक

त्यागपत्र आमतौर पर सेवा का अंत माना जाता है, लेकिन हर विदाई अंत नहीं होती। कुछ विदाइयां यह सवाल छोड़ जाती हैं कि असली सेवा आखिर होती क्या है-कुर्सी पर बैठकर निर्णय लेना या उस कुर्सी से बाहर निकलकर उन लोगों के बीच जाना, जिनके सपनों के नाम पर व्यवस्था खड़ी की गई है। उत्तर प्रदेश कैडर की 2013 बैच की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल का लगभग 13 साल की सेवा के बाद इस्तीफा इसी सवाल को सामने रखता है। उनका कहना-'अब जनता के सपनों को जीने का समय आ गया है'.-सिर्फ नौकरी छोड़ने की घोषणा नहीं, बल्कि उस यात्रा का अगला पड़ाव है जिसमें पद साधन था और मनुष्य मंजिल।

दिव्या मित्तल की कहानी में चमक भी है और बेचैनी भी। आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बैंगलोर से पढ़ाई, फिर लंदन में जेपी मॉर्गन जैसी प्रतिष्ठित संस्था की नौकरी-दुनिया की नजर में इससे बेहतर उपलब्धि क्या होती? मगर जीवन की कठिन कमी कभी-कभी उपलब्धियों से पूरी नहीं होती। विदेश में रहते हुए उन्हें अपने देश से दूर होने की टीस महसूस हुई। उन्होंने माना कि उनकी शिक्षा, आत्मविश्वास और दुनिया में कहीं भी सिर उठाकर चलने की क्षमता इसी मिट्टी का ऋण है। उसी ऋण ने उन्हें लौटाया। दो बार यूपीएससी दी; पहली बार (2012) आईपीएस चयन और दूसरी बार (2013) अखिल भारतीय रैंक 68 के साथ आईएएस। यह केवल परीक्षा की सफलता नहीं थी, बल्कि भीतर उठती पुकार का जवाब था। मिजार्पुर ने उस पुकार को अर्थ दिया। लहुरियादह (मिजार्पुर के हलिया ब्लॉक का पहाड़ी गांव) में जब पाइप के रास्ते पानी पहुंचा और करीब सत्तर-पचहत्तर साल बाद पहली बार किसी नल से पानी निकला, तब विकास किसी सरकारी रिपोर्ट का शब्द नहीं रहा। वह पानी बनकर सामने था। एक वृद्ध महिला ने कोई भाषण या औपचारिक धन्यवाद नहीं दिया; उन्होंने बस कांपते हाथों से दिव्या के सिर पर हाथ रखा और आशीर्वाद दिया। उस स्पर्श ने शायद किसी प्रशस्ति-पत्र से अधिक गहरी बात कह दी। दिव्या ने लिखा कि वह यह सोचकर आई थीं कि कुछ देने जा रही हैं, जबकि असल में सबसे ज्यादा उन्होंने ही पाया। यही वह क्षण है जब अधिकारी की आंख से फाइल हटती है और सामने इंसान दिखाई देता है।

उनके अनुभवों की दूसरी किताब देवरिया और मिजार्पुर ने मिलकर लिखी। देवरिया ने उन्हें बताया कि सही के साथ खड़ा होना सुविधा नहीं, कर्तव्य है। मिजार्पुर ने सिखाया कि 'असंभव'. हमेशा पत्थर पर लिखी हुई सच्चाई नहीं होता; कई बार वह केवल किसी की बनाई हुई धारणा होता है। जमीन का अधिकार पाकर परिवार की आंखों में लौटती चमक, विकलांग व्यक्ति को मिलती गरिमा या किसान के खेत तक पहुंचता पानी-इन छोटे दिखने वाले बदलावों ने प्रशासन की बड़ी-बड़ी परिभाषाओं को उनके सामने छोटा कर दिया।

तब सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिसने व्यवस्था के भीतर रहकर इतने अर्थ खोज लिए, वह उसी व्यवस्था से बाहर क्यों चला गया? इस प्रश्न का आसान उत्तर शायद कोई नहीं है। न उन्होंने किसी एक घटना को इस्तीफे का कारण बताया, न किसी टकराव को। उनका कहना है-'कुछ भी ट्रिगर नहीं हुआ। पिछले कुछ महीनों से लग रहा था कि मैं इस काम से हो गई हूं।'. इस वाक्य को शिकायत की तरह पढ़ना भूल होगी। यह उस व्यक्ति की स्वीकारोक्ति है जिसने अपने हिस्से का रास्ता चलकर महसूस किया कि अब दिशा बदलनी चाहिए। व्यवस्था में रहकर परिवर्तन करना एक रास्ता है, लेकिन हर परिवर्तन का पता सरकारी पदनाम से होकर नहीं गुजरता। कभी-कभी पद से बाहर निकलना भी अपने विश्वास के प्रति ईमानदारी होता है। यही कारण है कि उनका इस्तीफा उन युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है, जो सिविल सेवा को अंतिम मंजिल मानकर वर्षों तक किताबों, परीक्षाओं और रैंक के बीच अपना भविष्य खोजते हैं।

दिव्या का जीवन बताता है कि आईएएस बनना उपलब्धि हो सकती है, उद्देश्य नहीं। लंदन की सुरक्षित और प्रतिष्ठित नौकरी छोड़कर भारत लौटना एक चुनाव था; आईएएस की प्रतिष्ठित कुर्सी छोड़ना दूसरा। दोनों फैसलों के पीछे एक ही बेचैनी थी-अपने देश और लोगों के लिए कुछ करने की। अब उनके इस्तीफे के बाद राजनीति में जाने की अटकलें हैं। उनका जवाब है-'जब समय आएगा, तब बोलूंगी।'. शायद यह मौन जल्दबाजी से बेहतर है, क्योंकि हर सपना घोषणा से नहीं, तैयारी से आकार लेता है। दिव्या का जाना प्रशासनिक व्यवस्था के सामने एक असहज आईना रखता है। सिविल सेवा राज्य की रीढ़ है और स्वेच्छा से अलग होने वाला हर अधिकारी एक सवाल छोड़ता है-क्या व्यवस्था उन लोगों के लिए पर्याप्त जगह बना पा रही है, जिनकी बेचैनी केवल फाइल निपटाने से शांत नहीं होती? इसका अर्थ यह नहीं कि हर इस्तीफा व्यवस्था की विफलता है। लेकिन ऐसे फैसले हमें व्यवस्था के उद्देश्य पर फिर सोचने को मजबूर करते हैं। पद रहते हुए दिव्या ने पानी पहुंचाया; अब पद से बाहर निकलकर भी वे शायद उन प्यासों तक पहुंचना चाहती हैं, जिन्हें सरकारी सीमाएं नहीं छू पातीं। सेवा का रास्ता बदल सकता है, सेवा की प्यास नहीं। आखिर में बचता है वही कांपता हाथ, जो एक बुजुर्ग महिला ने उनके सिर पर रखा था। सरकारी कुर्सी बदलती है, पदनाम मिट जाता है, फाइलें दूसरी मेज पर चली जाती हैं; लेकिन किसी की आंख में लौटी उम्मीद और किसी आंगन में पहली बार बहा पानी स्मृति से नहीं जाता। दिव्या मित्तल का इस्तीफा इसलिए महत्वपूर्ण नहीं कि एक आईएएस अधिकारी ने नौकरी छोड़ दी। महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने पद और उद्देश्य में फर्क करने का साहस दिखाया। कुर्सी सेवा का माध्यम थी; जनता का सपना मंजिल। अब देखना है कि पद से मुक्त हुई यह ऊर्जा किस दिशा में बहती है। कुछ सपने कुर्सी पर बैठकर पूरे होते हैं, कुछ कुर्सी छोड़ने के बाद चलना शुरू करते हैं।

पढ़ें, लगाएँ, उगाएँ: जापान के बीज वाले समाचार पत्र

डॉ विजय गर्ग
लेखक

क्या हो, यदि कल का समाचार पत्र रीसाइक्लिंग बिन या कूड़े के ढेर में जाने के बजाय एक नया जीवन पा सके? क्या हो, यदि सुर्खियाँ पढ़ने के बाद आप उस कागज को मिट्टी में रखें, उसमें पानी डालें और फिर उसे फूलों या पौधों के रूप में उगते हुए देखें?

यही अद्भुत विचार जापान के बीज वाले या पौधारोपण योग्य कागज के प्रयोग के पीछे है। इस अवधारणा ने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया, जब एक विशेष 'ग्रीन न्यूजपेपर' संस्करण में बीजों से युक्त कागज का उपयोग किया गया। इससे पाठकों को समाचार पत्र पढ़ने के बाद उसके पन्नों को मिट्टी में लगाकर पौधे उगाने का अवसर मिला। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह एक विशेष पर्यावरणीय पहल थी, न कि जापान में प्रकाशित होने वाले प्रत्येक समाचार पत्र की स्थायी व्यवस्था। बीज वाले कागज के पीछे का विचार सरल होने के साथ-साथ अत्यंत प्रभावशाली भी है। पुनर्चक्रित कागज में सावधानीपूर्वक बीज मिलाए जा सकते हैं। जब कागज अपना उद्देश्य पूरा कर लेता है, तो उसे मिट्टी में रखकर पानी दिया जा सकता है। धीरे-धीरे कागज मिट्टी में घुलने लगता है और अनुकूल परिस्थितियों में बीज अंकुरित होकर पौधों का रूप ले सकते हैं। जापान में बीज वाले कागज के आधुनिक रूप भी विकसित किए गए हैं, जिनमें पारंपरिक जापानी कागज वाशी के पौधारोपण योग्य रूप शामिल हैं। इस प्रकार का कागज पुनर्चक्रित सामग्री से बनाया जा सकता है और इसमें फूलों या जड़ी-बूटियों के बीज शामिल किए जा सकते हैं। उपयोग के बाद यह कागज केवल कचरा बनने के बजाय जीवन के एक नए चक्र का हिस्सा बन सकता है। इस नवाचार का संदेश केवल समाचार पत्र तक सीमित नहीं है। यह हमें 'कचरे' के अर्थ पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करता है। कागज के एक टुकड़े का भी दूसरा जीवन हो सकता है। जिस वस्तु पर कभी समाचार, विज्ञापन या संदेश छपे थे, वही बाद में हरियाली बढ़ाने में योगदान दे सकती है। बीज वाला कागज स्कूलों, व्यवसायों और पर्यावरणीय संगठनों के लिए भी एक रोचक प्रेरणा प्रदान करता है। ग्रीटिंग कार्ड, निमंत्रण पत्र, पोस्टर और प्रचार सामग्री को इस तरह तैयार किया जा सकता है कि लोग उन्हें केवल फेंकने के बजाय प्रकृति से जुड़ने का एक माध्यम बना सकें। बेशक, पौधारोपण योग्य कागज कागज उत्पादन और कचरे से जुड़ी पर्यावरणीय समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं है। पुनर्चक्रण, अनावश्यक छपाई को कम करना और जंगलों की रक्षा करना आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेकिन बीज वाले कागज जैसे नवाचार यह दिखाते हैं कि रचनात्मक सोच किस प्रकार हमारे रोजमर्रा की वस्तुओं के साथ संबंध को बदल सकती है। जापान के पौधारोपण योग्य समाचार पत्र की कहानी हमें एक सुंदर संभावना की याद दिलाती है-पढ़ने के बाद पौधा लगाया जा सकता है और पौधा लगाने के बाद नया जीवन जन्म ले सकता है। प्रदूषण और कचरे से जूझती दुनिया में शायद सबसे प्रेरणादायक विचार वही हैं, जो हमें साधारण वस्तुओं को एक असाधारण और नए दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रेरित करें।

22,000 करोड़ का सवाल: IBC की कैंची आम आदमी के लिए फंदा

एनके शर्मा
लेखक

भारत में आर्थिक न्याय की बहस अचानक फिर उस मोड़ पर आ खड़ी हुई है, जहाँ सवाल केवल एक उद्योगपति, एक बैंक या एक न्यायिक आदेश का नहीं रह जाता, बल्कि पूरे आर्थिक तंत्र की आत्मा को कठघरे में खड़ा कर देता है। सुभाष चंद्र से जुड़े व्यक्तिगत दिवाला मामले में राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण द्वारा लगभग 22,006.57 करोड़ के admitted claims के मुकाबले करीब 6.25 करोड़ की भुगतान योजना को मंजूरी दिए जाने ने इसी बेचैनी को जन्म दिया है। गणित की भाषा में यह लगभग 99.97 प्रतिशत की कमी है-अर्थात दावों के प्रत्येक 100 पर लगभग तीन पैसे की वसूली।

लेकिन इस प्रकरण को समझने के लिए सनसनी से आगे बढ़ना होगा। 22,006 करोड़ को सीधे 'सुभाष चंद्र का व्यक्तिगत बैंक ऋण'' कहना सही नहीं है। वे अनेक ऋणों में personal guarantor थे और NCLT के सामने उन्हीं से संबंधित admitted claims का मामला था। मूल उधारकर्ता कंपनियों की परिसंपत्तियों और उनके विरुद्ध ऋणदाताओं के अधिकार स्वतः समाप्त नहीं हो जाते। यही वह कानूनी बारीकी है जिसे राजनीतिक नारों और सोशल मीडिया की सुर्खियों में अक्सर भुला दिया जाता है।

फिर भी, इस कानूनी स्पष्टीकरण से वह मूल प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता जो देश के करोड़ों नागरिक पूछ रहे हैं-यदि किसी बड़े कॉरपोरेट ढांचे से जुड़े दावों पर इतनी नगण्य व्यक्तिगत वसूली स्वीकार्य हो सकती है, तो क्या भारत की बैंकिंग व्यवस्था में जोखिम का अंतिम बोझ हमेशा सार्वजनिक धन और सामान्य जमाकर्ता के कंधों पर ही आएगा?

यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस फैसले पर कई प्रमुख ऋणदाताओं ने आपत्ति की है। रिपोर्टों के अनुसार HDFC Bank और LIC Housing Finance जैसे संस्थानों ने इस व्यवस्था को चुनौती देने की तैयारी की है, जबकि मतदान में लगभग 80.81 प्रतिशत voting value वाले creditors ने योजना का समर्थन किया। अर्थात मामला अभी सार्वजनिक बहस और संभावित न्यायिक समीक्षा से बाहर नहीं हुआ है।

यहीं से IBC की असली परीक्षा शुरू होती है।

दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 का उद्देश्य किसी उद्योगपति को बचाना या बर्बाद करना नहीं था। उसका उद्देश्य था-बीमार परिसंपत्तियों का शीघ्र समाधान, ऋणदाताओं की अधिकतम वसूली, आर्थिक संसाधनों का बेहतर उपयोग और व्यवसाय में पूंजी के अनुशासन को मजबूत करना। यदि कोई कंपनी या व्यक्ति आर्थिक रूप से असफल होता है तो कानून का काम यह देखना है कि उपलब्ध परिसंपत्तियों से अधिकतम न्यायसंगत वसूली कैसे हो, न कि केवल यह कि कागज पर मामला समाप्त कैसे किया जाए।

इसलिए khaircutl अपने आप में अपराध नहीं है। यदि किसी परिसंपत्ति का वास्तविक बाजार मूल्य बहुत कम हो, liquidation में उससे और भी कम मिलने की संभावना हो और कोई resolution plan भविष्य में अधिक मूल्य बचा सकता हो, तो ऋणदाता कभी-कभी बड़ा haircut स्वीकार कर सकता है। IBC की सफलता का मूल्यांकन भी केवल मूल ऋण और वसूल रकम के अंतर से नहीं किया जा सकता। परिसंपत्ति का वास्तविक मूल्य, liquidation value, fair value और resolution से बचाए गए आर्थिक मूल्य को भी देखना पड़ता है। सरकार की ओर से भी इस प्रकरण में यही तर्क सामने आया है कि 22,006 करोड़ की पूरी राशि को 'बैंक का 22,000 करोड़ का write-off कहना गलत है।

लेकिन यहीं एक और बड़ा सवाल खड़ा होता है-यदि कानून का उद्देश्य आर्थिक मूल्य बचाना है तो उसकी पारदर्शिता इतनी स्पष्ट क्यों न हो कि आम नागरिक भी समझ सके कि किसने कितना उधार लिया, कितनी संपत्ति उपलब्ध थी, कितनी वसूली संभव थी, किस मूल्यांकन पर निर्णय हुआ और किस आधार पर ऋणदाता ने इतना बड़ा त्याग स्वीकार किया?

भारत में एक छोटा व्यापारी बैंक की एटकमें चूक करता है तो उसकी मशीन, दुकान, मकान और कभी-कभी पूरी आजीविका संकट में पड़ जाती है। एक सामान्य मध्यमवर्गीय व्यक्ति ऋण की एक किस्त में चूक करे तो बैंक का फोन, नोटिस, कानूनी कार्रवाई और क्रेडिट स्कोर उसका पीछा करने लगता है। किसान की छोटी देनदारी पर भी सामाजिक और मानसिक दबाव कम नहीं होता। फिर बड़े आर्थिक समूहों के मामलों में जब हजारों करोड़ रुपये की देनदारियां सामने आती हैं और समाधान के नाम पर विशाल अंतर पैदा होता है, तो जनता के मन में असमानता की भावना पैदा होना स्वाभाविक है। यही वह बिंदु है जहाँ IBC को 'बड़े उद्योगपतियों की सुविधा का कानून' बनने से रोकना होगा।

इस मामले ने एक और असहज तुलना को जन्म दिया है-विजय माल्या की प्रतिक्रिया। माल्या ने सोशल मीडिया पर इस फैसले को लेकर व्यंग्यपूर्ण टिप्पणी की और इसे Indian Debt Resolution के संदर्भ में देखा। उनकी अपनी बैंकिंग देनदारियों और कानूनी विवादों का इतिहास अलग है और उसे इस मामले का हूबहू प्रतिरूप मानना उचित नहीं होगा। लेकिन उनकी टिप्पणी ने जनता के उस प्रश्न को जरूर पुनर्जीवित किया है कि अलग-अलग बड़े डिफॉल्ट मामलों में कानून की गति, कठोरता और परिणाम इतने अलग क्यों दिखाई देते हैं? यही असली संकट है-कानून समान होना ही पर्याप्त नहीं है; उसका समान दिखाई देना भी आवश्यक है। किसी भी लोकतंत्र में न्याय केवल अदालत के आदेश से नहीं बनता, बल्कि न्याय की सार्वजनिक विश्वसनीयता से बनता है। यदि नागरिक को यह विश्वास होने लगे कि आर्थिक ताकत रखने वाले व्यक्ति के लिए कानून में अनेक रास्ते हैं और कमजोर व्यक्ति के लिए केवल वसूली का हथौड़ा, तो आर्थिक व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण तत्व-विश्वास-टूटने लगता है।

यहाँ वर्तमान शासन को भी कठघरे में खड़ा करना जरूरी है, लेकिन राजनीतिक आरोपों के बजाय संस्थागत प्रश्नों के साथ। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का पैसा केवल बैंक का पैसा नहीं है; वह करोड़ों जमाकताओं, करदाताओं और देश की बचत का पैसा है। यदि किसी बड़े ऋण में भारी haircut स्वीकार किया जाता है तो जनता को स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि इससे पहले कितनी परिसंपत्तियां खोजी गईं, उनका स्वतंत्र मूल्यांकन कैसे हुआ, promoters की वास्तविक आर्थिक क्षमता क्या थी, related-party transactions की जांच हुई या नहीं और ऋणदाताओं ने प्रस्ताव को क्यों स्वीकार किया। और यदि किसी मामले में fraud, wilful default, asset diversion या जानबूझकर ऋण न चुकाने के प्रमाण हों, तो insolvency को जिम्मेदारी से बचने की सुरंग नहीं बनने दिया जा सकता।

भारत को विश्वगुरु बनाने का रास्ता केवल GDP के आंकड़ों से नहीं बनेगा। विश्वगुरु वह राष्ट्र बनेगा जिसकी आर्थिक संस्थाएं विश्वसनीय हों, जिसकी बैंकिंग व्यवस्था निष्पक्ष हो, जहाँ पूंजी लगाने वाला निवेशक सुरक्षित महसूस करे और जहाँ गरीब से लेकर अरबपति तक कानून की कसौटी पर समान दिखाई दे। सबसे खतरनाक स्थिति वह होगी जब 'व्यवसाय में असफलता' और 'सार्वजनिक धन के प्रति जवाबदेही से मुक्ति' एक-दूसरे के पर्याय बन जाएं। IBC को उद्योग-विरोधी बनाना भी गलत होगा और उद्योगपतियों के लिए सुरक्षा-कवच बना देना भी। उद्योगपति जोखिम उठाते हैं, रोजगार पैदा करते हैं और अर्थव्यवस्था को गति देते हैं; इसलिए उन्हें विफल होने पर पुनर्गठन और पुनरुत्थान का अवसर मिलना चाहिए। लेकिन जोखिम का निजी लाभ और नुकसान का सामाजिककरण-यह व्यवस्था लंबे समय तक न्यायपूर्ण नहीं रह सकती।

आज आवश्यकता किसी एक उद्योगपति को खलनायक घोषित करने की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से सवाल पूछने की है जिसने ऐसी सुर्खी को जन्म दिया है-22,006 करोड़ के admitted claims और लगभग 6.25 करोड़ के भुगतान के बीच इतनी विशाल दूरी क्यों पैदा हुई? यदि इसका उत्तर पूरी पारदर्शिता, स्वतंत्र मूल्यांकन और कानून की समान कसौटी पर मिलता है तो IBC की प्रतिष्ठा मजबूत होगी। यदि उत्तर राजनीतिक प्रभाव, आर्थिक शक्ति या संस्थागत अस्पष्टता के अंधेरे में खो जाता है तो जनता का सवाल और बड़ा होगा। और वह सवाल केवल सुभाष चंद्र का नहीं होगा। वह सवाल होगा-क्या भारत में आर्थिक न्याय की तराजू वास्तव में समान है, या उसकी एक पलड़ा पूंजी और प्रभाव के भार से पहले ही झुक चुका है? राष्ट्र की संपत्ति किसी उद्योगपति, बैंक, सरकार या राजनीतिक दल की निजी जागीर नहीं है। यह उस नागरिक की सामूहिक पूंजी है जो अपनी मेहनत की कमाई बैंक में रखता है, टैक्स देता है और इस विश्वास के साथ देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करता है कि उसकी मेहनत का मूल्य सुरक्षित है। इसलिए आज जरूरत है IBC को खत्म करने की नहीं, उसे और पारदर्शी, कठोर, जवाबदेह और समान बनाने की। क्योंकि विश्वगुरु बनने का दावा तब तक अधूरा है, जब तक भारत यह साबित न कर दे कि यहाँ धन बड़ा हो सकता है, उद्योग बड़ा हो सकता है, व्यक्ति बड़ा हो सकता है-लेकिन कानून और राष्ट्र से बड़ा कोई नहीं हो सकता।

दौलत है झगड़े की बुनियाद

उदय कशोर साह

कविता

धन दौलत है जग में झगड़े की बुनियाद
जर जोरू जमीन है जड़ जग की फसाद
मत कर इसपे जीवन में कभी गुमान
जग नहीं है तेरी जागीर सुन ले श्रीमान

खाली हाथ ही जग में हम सब है। आया
जीवन भर कष्ट ही कष्ट सबने है। पाया
फिर लौट के जाना है जग से खाली हाथ
कुछ भी ना जायेगा यहाँ तेरे मरने पे साथ

जग है एक कर्म स्थल व एक तेरा ठहराव
अभिनय तेरी है इस जीवन की बहाव
रंगमंच सजी है मार लो अपने हाथ पाँव
हमारी कीर्ति है जग में अभिनय जनाव

राजा व रंक सोये हैं एक ही मिला शमशान
कफन भी साथ छोड़ गया है। तेरा नादान
फिर कब समझेगा तुँ बनता है अनजान
इन्सान हो बन कर रह जग में एक इन्सान

कर्म से बनता है मानव जग में महान
कर्म से होती है आदमी की यहाँ पहचान
अच्छे बुरे का फल है रब की वरदान
जीवन है भलाई करने की एक पायदान

कुछ भी नहीं है इस जग में आज हमारा
उपर वाले की मेहरबानी बनी है सहारा
जीने के लिये है ये धन दौलत सब प्यारा
ये महल ये जग ना है तुम्हारा ना हमारा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

बिना फिटनेस और परमिट के वाहन मिले तो होगी कार्रवाई: जिलाधिकारी ने दिए सख्त निर्देश

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सोमवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय में हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने पूर्व बैठक के निदेर्शों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए सड़क सुरक्षा को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने विद्यालयी वाहनों के फिटनेस की जांच कराने और बिना पंजीकरण या फिटनेस के कोई वाहन न चलने देने के निर्देश दिए। बिना फिटनेस संचालित बसों को बंद कराने तथा बिना परमिट चलने वाले वाहनों और परमिट की शर्तों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने एआरटीओ को ओवरलोड और तेज रफ्तार वाहनों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर चालान करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को दुर्घटना संभावित स्थानों को चिह्नित कर संकेतक और गति सीमा संबंधी बोर्ड लगवाने को कहा।पुराने संकेतक बोर्डों की सफाई और सभी वाहनों पर परावर्तक पट्टी लगवाने के भी निर्देश दिए।डीएम ने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट और चारपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट का प्रयोग सुनिश्चित कराने को कहा।पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं देने के नियम का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए। रोडवेज चालकों का नेत्र और स्वास्थ्य परीक्षण कराने को भी कहा। स्कूल प्रबंधकों को 15 वर्ष से अधिक पुराने स्कूली वाहनों का संचालन बंद करने, विद्यालय परिसर में पार्किंग व्यवस्था करने और 18 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों के निजी वाहन चलाने पर रोक लगाने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों को स्कूल लाने-ले जाने में टैक्सी के बजाय विद्यालयी वाहनों का प्रयोग करने को कहा गया। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार, क्षेत्राधिकारी नौगढ़ विश्वजीत सौरयान, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गन्ना किसानों के धरने को राष्ट्रीय सैनिक संस्था का समर्थन, बड़े आंदोलन की चेतावनी

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय, नवीन मंडी हापुड़ पर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के तत्वावधान में किसानों का धरना मंगलवार को बारहवें दिन भी जारी रहा। धरने में राष्ट्रीय सैनिक संस्था की जिला इकाई हापुड़ के पदाधिकारियों ने पहुंचकर किसानों की मांगों का समर्थन किया।इस दौरान किसानों ने अपने-अपने फार्म भरकर जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय में जमा कराए और अपने हक की लड़ाई के लिए एकजुट रहने का संकल्प लिया।संगठन के जिला अध्यक्ष अशोक डींगरा ने कहा कि यदि गन्ना विभाग और सरकार किसानों को इसी तरह परेशान करती रही तो किसान गन्ने की खेती से विमुख होकर अन्य फसलों की ओर रुख करने को मजबूर होंगे। उन्होंने मांग की कि किसानों के पिछले 30 वर्षों (1996-97 से 2025-26) के बकाया ब्याज का पूरा हिसाब समय रहते उपलब्ध कराया जाए।वहीं राष्ट्रीय सैनिक संस्था के प्रदेश प्रवक्ता ज्ञानेंद्र त्यागी ने चेतावनी देते हुए कहा कि किसानों को 15 प्रतिशत ब्याज की दर से पिछले 30 वर्षों का हिसाब नहीं दिया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर किसान जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय का घेराव करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।धरने में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के महासचिव चौधरी वीरपाल सिंह, मंडल उपाध्यक्ष वीरेश चौधरी, वरिष्ठ जिला संरक्षक निरंजन शास्त्री, जिला प्रचार मंत्री सतीश डींगरा, अनार सिंह, सतपाल डींगरा, जसवीर सिंह, नेत्रपाल सिंह, जगत सिंह, शोभाराम सिंह, गुरमुख सिंह, गंगावीर सिंह, मजहर अली सहित राष्ट्रीय सैनिक संस्था के जिला अध्यक्ष मुकेश त्यागी, प्रदेश प्रवक्ता ज्ञानेंद्र त्यागी, जिला सचिव मुकेश प्रजापति, जिला सूचना प्रसारण मंत्री श्याम वर्मा, नगर उपाध्यक्ष राजकुमार वर्मा, प्रशासनिक सदस्य सीताराम जाटव, दीपांशु आदि मौजूद रहे।

रात में घर से निकला युवक लापता, घाट पर मोबाइल और खून के निशान मिले

ढेबरुआ/सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। बूढ़ी राप्ती नदी के मुँहचुरवा घाट से ग्राम कपिया निवासी हरिश्चंद्र (युवक) के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने से हड़कंप मच गया। तलाश के दौरान घाट के पास उसका मोबाइल फोन, निजी सामान और खून के छींटे मिलने से मामला और संदिग्ध हो गया। परिजनों ने युवक के साथ अनहोनी की आशंका जताते हुए हत्या की आशंका व्यक्त की है। परिजनों के अनुसार हरिश्चंद्र रात करीब 11 बजे अपने टेंपो से बढ़नी जाने की बात कहकर घर से निकला था। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। मुँहचुरवा घाट के पास मोबाइल और अन्य सामान के साथ खून के निशान मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। युवक की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम भी लगाई गई है। नदी में लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बचाव दल आसपास के क्षेत्रों में भी खोजबीन कर रहा है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक हरिश्चंद्र का कोई सुराग नहीं मिला था। पुलिस ने हत्या की पुष्टि नहीं की है और मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। परिजन युवक के सकुशल मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

मुरादाबाद जिम यूनियन का हुआ विस्तार, मोहम्मद तसलीम बने नए अध्यक्ष

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। शहर के पंचायत भवन में मुरादाबाद जिम यूनियन के संगठन विस्तार को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजीव पाल ने किया। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न जिम संचालकों, बॉडीबिल्डरों और फिटनेस से जुड़े लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस दौरान संगठन का विस्तार करते हुए 100 से अधिक पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। सभी पदाधिकारी नवनियुक्त अध्यक्ष मोहम्मद तसलीम के नेतृत्व में संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह रहे। उन्होंने मोहम्मद तसलीम को जिम यूनियन का नया अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। विधायक ने कहा कि एक ही छत के नीचे मुरादाबाद शहर के तमाम जिम संचालक और फिटनेस से जुड़े लोग एकत्र हुए हैं और सभी ने मोहम्मद तसलीम पर विश्वास जताते हुए उन्हें अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि यह संगठन के लिए अच्छी पहल है और इससे फिटनेस क्षेत्र से जुड़े लोगों को एक मंच मिलेगा। ठाकुर रामवीर सिंह ने कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली में स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। नियमित व्यायाम और जिम के माध्यम से लोग अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने युवाओं से फिटनेस को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि मुरादाबाद के खिलाड़ी और बॉडीबिल्डर आगे चलकर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

नवनियुक्त अध्यक्ष मोहम्मद तसलीम ने सभी जिम संचालकों और उपस्थित लोगों का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, वह पूरी निष्ठा के साथ उसका निर्वहन करेंगे। उनका प्रयास रहेगा कि मुरादाबाद जिम यूनियन को और बेहतर एवं मजबूत बनाया जाए। उन्होंने कहा कि संगठन फिटनेस और बॉडीबिल्डिंग के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने के साथ-साथ मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश और देश का नाम रोशन करने के लिए काम करेगा। कार्यक्रम में वसीम खान, आसिफ, तहजीब, जुनैद, मोनू उर्फ इमरान, समीर सहित बड़ी संख्या में बॉडीबिल्डर मौजूद रहे।

महिला एथलेटिक्स व बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए चयन ट्रायल 1 से 5 सितंबर तक

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ के अनुपालन में प्रदेश स्तरीय महिला एथलेटिक्स एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए जनपद एवं मंडल स्तर पर चयन ट्रायल आयोजित किए जाएंगे।महिला बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय चयन ट्रायल 1 सितंबर 2026 को दोपहर 12 बजे एसएसवी इंटर कॉलेज, हापुड़ में आयोजित होगा। इसके बाद मंडल स्तरीय चयन ट्रायल 2 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम, मेरठ में होगा।इसी प्रकार महिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय चयन ट्रायल 3 सितंबर 2026 को प्रातः 10 बजे डीआर इंटरनेशनल स्कूल, हापुड़ में आयोजित किया जाएगा। एथलेटिक्स का मंडल स्तरीय चयन ट्रायल 5 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम, मेरठ में होगा। उपक्रीड़ा अधिकारी हापुड़ अरुणा ने बताया कि चयन ट्रायल में प्रतिभाग करने वाली सभी खिलाड़ियों के लिए जन्मतिथि प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड की मूल प्रति तथा छायाप्रति साथ लाना अनिवार्य है। निर्धारित दस्तावेजों के अभाव में किसी भी खिलाड़ी को चयन ट्रायल में प्रतिभाग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पीएचसी नौगढ़ में 110 मरीजों की ओपीडी, जननी सुरक्षा योजना की प्रगति कम मिलने पर डीएम नाराज

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नौगढ़ का औचक निरीक्षण किया।अचानक पहुंचे जिलाधिकारी ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) कक्ष, प्रभारी चिकित्साधिकारी कक्ष और जननी वार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय तक अस्पताल में 110 मरीजों की ओपीडी हो चुकी थी। इसके बाद उन्होंने दवा भंडारण कक्ष का भी जायजा लिया और दवाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। जननी सुरक्षा योजना की प्रगति कम मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया।जिलाधिकारी ने कहा कि पात्र लाभार्थियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय से मिलना चाहिए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर भी जिलाधिकारी ने निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वास्थ्य केंद्र में नियमित रूप से बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित कराने को कहा।जिलाधिकारी ने अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मझवार, तुरैहा व प्रजापति समाज के आरक्षण की मांग को लेकर निषाद पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर। निषाद पार्टी के नेतृत्व में सोमवार को विमुक्ति दिवस के अवसर पर मझवार, तुरैहा एवं प्रजापति समाज को आरक्षण सहित विभिन्न मांगों को लेकर गढ़मुक्तेश्वर तहसील में ज्ञापन सौंपा गया। पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उप जिलाधिकारी/तहसीलदार हेमंत चौधरी को ज्ञापन देकर समाज की मांगों को शासन तक पहुंचाने की अपील की।कार्यकताओं ने कहा कि 12 अक्टूबर 1871 को लागू किए गए क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट से प्रभावित विमुक्त एवं घुमंतू जातियों के अधिकारों और उनके सामाजिक उत्थान के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने चाहिए। उन्होंने संबंधित रिपोर्टों के आधार पर उत्तर प्रदेश में निवास करने वाली विभिन्न जातियों को समान अधिकार एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि समाज की आने वाली पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए आरक्षण एवं अन्य अधिकारों की मांग को लेकर संगठन लगातार संघर्ष करता रहेगा। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद की।कार्यक्रम में जनपद हापुड़ के जिला अध्यक्ष डीपी निषाद, द ग्रेट निषाद युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष कुलदीप निषाद, राजू निषाद, नंदकिशोर निषाद, चमन कश्यप, महेश केवट, मुनेश निषाद, अनिल निषाद, दीपांशु निषाद, सनी निषाद, सोनू निषाद तथा आसाराम निषाद सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने 'जय निषाद राज', 'निषाद पार्टी जिंदाबाद' तथा कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद जिंदाबाद के नारे लगाए।

सरस्वती कॉलेज ऑफ फामेर्सी, हापुड़ में उत्तर प्रदेश सीएसटी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन

'माइक्रोबायोम आधारित चिकित्सीय उपचार : प्रिसीजन मेडिसिन के लिए उभरते अवसर' विषय पर देशभर से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनपद के पिलखुवा स्थित अनवरपुर गांव में सरस्वती कॉलेज ऑफ फामेर्सी, हापुड़ के द्वारा 'माइक्रोबायोम आधारित चिकित्सीय उपचार प्रिसीजन मेडिसिन के लिए उभरते अवसर' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। यह राष्ट्रीय सम्मेलन उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीएसटी-यू.पी.), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया था। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य देशभर के शिक्षाविदों, शोधकताओं, वैज्ञानिकों, फामेर्सी विशेषज्ञों, विद्यार्थियों एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों को एक मंच पर लाकर माइक्रोबायोम आधारित चिकित्सीय उपचार, प्रिसीजन मेडिसिन, फार्मास्युटिकल अनुसंधान एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में माइक्रोबायोम की बढ़ती भूमिका पर विचार-विमर्श एवं ज्ञान का आदान-प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के महाप्रबंधक एन. वर्धराजन एवं निदेशक रघुवर दत्त की गरिमामयी उपस्थिति रही। संस्थान के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट मेजर जनरल सी. एस. अहलुवालिया जी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने सम्मेलन के विषय की वैज्ञानिक एवं चिकित्सीय प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए माइक्रोबायोम अनुसंधान को आधुनिक चिकित्सा एवं भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया।फामेर्सी विभाग के प्राचार्य डॉ. नितिन कुमार ने सम्मेलन के अध्यक्ष एवं संयोजक की भूमिका निभाई। उन्होंने सभी अतिथियों एवं आमंत्रित वक्ताओं का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा सरस्वती कॉलेज ऑफ फामेर्सी, हापुड़ की शैक्षणिक उपलब्धियों, शोध गतिविधियों एवं आगामी अनुसंधान योजनाओं की जानकारी साझा की। सम्मेलन की सह-संयोजक डॉ. निधि त्यागी, प्रोफेसर, फामाकोलॉजी विभाग रहीं, जिनके समन्वय एवं सहयोग से विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियां सफलतापूर्वक आयोजित की गईं।राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया की वित्त समिति के अध्यक्ष एवं एल.एल.आर.एम. मेडिकल कॉलेज, मेरठ के फामेर्सी विभागाध्यक्ष ने सहभागिता की। उन्होंने माइक्रोबायोम आधारित दवाओं एवं चिकित्सीय उपचार के क्षेत्र में उभरते अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया के आगामी दृष्टिकोण, फामेर्सी शिक्षा में आने वाले नए पाठ्यक्रम तथा मेडिकल डिवाइस के क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं के बारे में विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. जावेद अली, विभागाध्यक्ष, फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग, स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च,जामिया हमदर्द,नई दिल्ली,ने माइक्रोबायोम आधारित चिकित्सीय उपचार, प्रिसीजन मेडिसिन तथा फार्मास्युटिकल अनुसंधान के विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं पर विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने माइक्रोबायोम और मानव स्वास्थ्य के बीच संबंधों तथा भविष्य में इसके आधार पर विकसित होने वाली चिकित्सीय संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की।सम्मेलन में विभिन्न प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं व्यावसायिक संस्थानों से आमंत्रित प्रख्यात वक्ताओं ने भी सहभागिता की। इनमें प्रमुख रूप से डॉ. राजीव टोंक, दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, डॉ. शौकेंद्र कुमार, सुभारती यूनिवर्सिटी तथा डॉ. गौरव कैथवास जी शामिल रहे। विशेषज्ञों ने अपने शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक अनुभव प्रतिभागियों के साथ साझा किए तथा फार्मास्युटिकल साइंसेज, माइक्रोबायोम अनुसंधान, प्रिसीजन मेडिसिन एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में विकसित हो रहे नवीन दृष्टिकोणों पर सार्थक चर्चा की।सरस्वती कॉलेज ऑफ फामेर्सी, हापुड़ के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्पूर्ण भारत से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें 20 से अधिक प्रतिभागियों ने मौखिक प्रस्तुतियां दीं,जबकि 60 से अधिक प्रतिभागियों ने पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने शोधकार्य, वैज्ञानिक निष्कर्ष एवं नवीन विचार प्रस्तुत किए।

वैश्विक मांग के अनुरूप युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जाएगा: धामी

जमैका, इथियोपिया और जाम्बिया में रोजगार की संभावनाओं को लेकर भारतीय मिशनों के साथ समन्वय के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में जमैका में भारत के उच्चायुक्त मयंक जोशी, इथियोपिया में भारत के राजदूत देवेश उत्तम एवं जाम्बिया में भारत के उच्चायुक्त आलोक रंजन झा ने भेंट की। इस दौरान संबंधित देशों में रोजगार की संभावनाओं, कुशल मानव संसाधन की मांग और उत्तराखंड के युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन देशों में कुशल मानव संसाधन की अधिक आवश्यकता है, वहां उपलब्ध रोजगार के अवसरों की नियमित जानकारी प्राप्त की जाए। इसके लिए संबंधित भारतीय मिशनों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि विदेशों में रोजगार की मांग और आवश्यकताओं के अनुरूप उत्तराखंड के युवाओं को कौशल के साथ-साथ जरूरी भाषा प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए, ताकि वे वैश्विक स्तर पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है। जरूरत इस बात की है कि उन्हें वैश्विक बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न देशों में कुशल मानव संसाधन की मांग का आकलन कर युवाओं के प्रशिक्षण और रोजगार के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड ने होम स्टे के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। विभिन्न देशों से आने वाले प्रतिनिधिमंडलों को राज्य के सफल होम स्टे मॉडल से परिचित कराने के लिए उन्हें होम स्टे का भ्रमण कराया जा सकता है। इससे उत्तराखंड की पर्यटन क्षमता और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि फार्मा, उद्योग, आयुर्वेद और वेलनेस के क्षेत्र में भी उत्तराखंड में व्यापक संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में राज्य की विशेषताओं और क्षमताओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने चाहिए। जाम्बिया में भारत के उच्चायुक्त आलोक रंजन झा ने बताया कि जाम्बिया में कुशल मानव संसाधन की व्यापक आवश्यकता है। विशेष रूप से शिक्षा और कृषि के क्षेत्र में भारतीय युवाओं के लिए कार्य करने की संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि जाम्बिया में जिन क्षेत्रों में कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता है, उनकी विस्तृत जानकारी राज्य सरकार को उपलब्ध कराई जाएगी। जमैका में भारत के उच्चायुक्त मयंक जोशी ने बताया कि जमैका में पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा और कृषि के क्षेत्र में रोजगार की अच्छी संभावनाएं हैं। विशेष रूप से नर्सिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन की मांग है। उन्होंने कहा कि वहां की जरूरतों के अनुरूप युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार के अवसरों से जोड़ा जा सकता है। इथियोपिया में भारत के राजदूत देवेश उत्तम ने बताया कि वहां प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं। इसके अलावा फार्मास्युटिकल और फ्लोरीकल्चर के क्षेत्र में भी बेहतर अवसर उपलब्ध हैं। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु एवं सचिव विनय शंकर पांडेय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने जनपद मथुरा के बाद स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक बाहरी निरीक्षण

मथुरा (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जनपद मथुरा के बाद स्थित ई.वी.एम-वी.वी.पैट वेयरहाउस का मासिक बाहरी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिसमें इंडियन नेशनल कांग्रेस से बलवीर सिंह प्रधान, समाजवादी पार्टी से सोनू ठाकुर, बहुजन समाज पार्टी से मुनेंद्र सिंह निगम तथा कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया पार्टी से सुरेश कुमार मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की नियमित साफ-सफाई के निर्देश दिए। निरीक्षण में जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों के संचालन एवं बैकअप की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा में तैनात कर्मियों को मूल-भूत सुविधाएं प्रदान करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिए कि अपने कार्यों को जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करे। सतर्कता बनाए रखे तथा निरंतर निगरानी सुनिश्चित करें। निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता गुलवीर सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खंडेलवाल सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

बैरकों से लेकर मेस और परिसर तक हुई सघन जांच, बंदियों से संवाद कर जानी समस्याएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने सोमवार को जिला कारागार संतकबीरनगर का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों के अचानक जेल पहुंचने पर कारागार प्रशासन में सक्रियता बढ़ गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल की विभिन्न बैरकों, मेस, कार्यालय एवं पूरे परिसर का बारीकी से जायजा लिया तथा व्यवस्थाओं की स्थिति परखी।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने बैरकों की सघन तलाशी कराई और यह सुनिश्चित किया कि जेल परिसर में किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री न पहुंच सके। अधिकारियों ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न बैरकों में बंदियों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं तथा जेल में मिल रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बंदियों से भोजन, स्वास्थ्य, साफ-सफाई तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली गई।

अधिकारियों ने जेल की मेस का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता एवं साफ-सफाई की स्थिति देखी। इसके साथ ही कार्यालय एवं अन्य स्थानों का भी निरीक्षण किया गया। जेल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कारागार कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जेल की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। जेल के अंदर प्रतिबंधित सामग्री पहुंचने की किसी भी संभावना को पूरी तरह समाप्त किया जाए और प्रत्येक स्तर पर निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का सही ढंग से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कारागार परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई कराने, व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रखने तथा बंदियों को नियमानुसार आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया। अधिकारियों ने कहा कि जेल की सुरक्षा, अनुशासन और व्यवस्थाओं को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

10 हजार का इनामी शराब तस्कर गिरफ्तार, 3600 लीटर अवैध शराब मामले में चल रहा था फरार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गोवर्धन। थाना पुलिस, सर्विलांस और स्पेशल टास्क टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपये के इनामी वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी रामवीर है जो झज्जर हरियाणा का रहने वाला है, जिसे पुलिस ने अडींग नहर पुल के पास से गिरफ्तार किया है। सोमवार की शाम 6 बजे पुलिस ने जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि जनवरी 2025 में जब पुलिस ने जमुनावता चौराहे के पास एक टाटा ट्रक से 410 पेटी पंजाब मार्का अवैध शराब बरामद की थी। तस्करों ने शराब छिपाने के लिए सैनिटरी पैड के पाउच, पुरानी रुई और कंबलों के टुकड़ों का सहारा लिया था। जांच में पकड़े गए ट्रक का मालिक रामवीर निकला, जो घटना के बाद से ही लगातार फरार चल रहा था। पुलिस ने उस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से एक ओप्पो स्मार्टफोन बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया है।

भाजपा ने फूंका राहुल गांधी का पुतला, किया विरोध प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आज लैंसडाउन चौक पर कांग्रेस नेता राहुल गाँधी का पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी जाति-पाति की विभाजनकारी राजनीति कर समाज में वैमनस्यता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेशअग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से ही समाज को बांटकर अपनी राजनीतिक रोटी सेंकती आई है और इस बार अपनी ही पार्टी के पिछड़े समाज से आने वाले वरिष्ठ नेता श्री मल्लिकार्जुन खड्गे जी के नाम का उपयोग करके उत्तराखंड की जनता में जातीय विभाजन करने का कुत्सित प्रयास कर रही है जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हमारा प्यारा उत्तराखंड 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के ध्येय पर आगे बढ़ रहा है और हर दिन विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। महानगर अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि कांग्रेस पार्टी की विभाजनकारी उत्तराखंड में नहीं चलेगी क्योंकि यहां की जनता जागरूक है और कांग्रेस पार्टी को कड़ा सबक सिखाने के लिए तैयार है।

मथुरा पुलिस पर तोड़फोड़ और महिला से अभद्रता के आरोप, थाना प्रभारी ने आरोपों को बताया निराधार

मथुरा (वेलकम इंडिया)। थाना हाईवे क्षेत्र के गांव महोली में बीती रात पुलिस कार्रवाई को लेकर एक महिला ने घर में घुसकर सामान में तोड़फोड़ करने और अभद्र भाषा का प्रयोग करने के आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि पारिवारिक विवाद को उसके रिश्तेदार ने तूल दिया, जिसके बाद पुलिस घर पहुंची और कथित तौर पर घर में रखे सामान को नुकसान पहुंचाया। महिला ने पुलिस पर उसके साथ अभद्र व्यवहार करने का भी आरोप लगाया है। मामले से जुड़ी महिला की बाइट में उसने घटना के संबंध में अपनी बात रखी है। वहीं, थाना हाईवे प्रभारी ने महिला के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। थाना प्रभारी के अनुसार, संबंधित व्यक्ति के खिलाफ फायरिंग का मामला है और पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही थी। प्रभारी का कहना है कि आरोपी मुकदमे से बचने के लिए पुलिस और दूसरे पक्ष पर इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि पुलिस द्वारा घर में किसी प्रकार की तोड़फोड़ नहीं की गई और न ही महिला के साथ अभद्रता या बदतमीजी की गई। पुलिस का कहना है कि संबंधित व्यक्ति को कानूनी कार्रवाई से बचने के बजाय पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करना चाहिए। फिलहाल, मामले में महिला के आरोप और पुलिस के पक्ष दोनों सामने आए हैं। वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

साइबर फ्रॉड के शिकार पीड़ित को थाना दुधारा की साइबर सेल टीम ने दिलाई राहत, ₹10,000/- की धनराशि कराई वापस

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में साइबर अपराधों की रोकथाम तथा साइबर अपराध के पीड़ितों को त्वरित राहत प्रदान करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना दुधारा की साइबर सेल टीम थानाध्यक्ष अमित कुशवाहा, उ0नि0 अनिल मिश्रा (प्रभारी साइबर सेल), का0 अनुज कुमार, का0 ऋषिकेश यादव, रिक्रूट का0 हर्ष सिंह, म0 रिक्रूट का0 एकता सिंह द्वारा सतत एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक साइबर फ्रॉड पीड़ित की ₹10,000/- की धनराशि सफलतापूर्वक वापस कराई गई है। आवेदक निहाल अहमद पुत्र सगीर अहमद, निवासी ग्राम बजहरा, थाना दुधारा, ने दिनांक 01 जून, 2026 को साइबर फ्रॉड के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई थी। आवेदक के अनुसार, किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर स्वयं को आवेदक का परिचित बताते हुए विश्वास में लिया तथा छल-कपट करके आवेदक से कुल ₹25,000/- की धनराशि विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर करा ली। कुछ समय पश्चात आवेदक को अपने साथ साइबर ठगी होने की जानकारी हुई, जिसके उपरांत उसके द्वारा तत्काल साइबर फ्रॉड के संबंध में शिकायत संख्या 33106260123078 दर्ज कराई गई। शिकायत प्राप्त होते ही थाना दुधारा की साइबर हेल्प डेस्क पर नियुक्त का0 ऋषिकेश यादव व अन्य द्वारा तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक एवं वित्तीय संस्थानों से प्रभावी समन्वय एवं निरंतर पैरवी की गई। पुलिस टीम के त्वरित एवं सराहनीय प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रथम चरण में पीड़ित की ₹10,000/- की धनराशि उसके खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई।

डाइट पर योगाभ्यास और पठन प्रतियोगिता सम्पन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मथुरा में योगाभ्यास और पठन प्रतियोगिता शिक्षक/शिक्षिकाओं वर्ग के अंतर्गत सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन संस्थान के नए सभागार में एनसीईआरटी सदस्य, शिक्षाविद, पूर्व आचार्य श्रीजी बाबा विद्यालय और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता डॉक्टर राकेश चंद चतुवेर्दी ने मां सरस्वती पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्वलित कर किया। उदघाट्न सत्र में उन्होंने बोलते कहा कि हम सबको व्यसनों से दूर रहते हुए बच्चों को भी दूर रखना और व्यवहारिक रूप से देशभक्त बनना है। प्रतियोगिता प्रभारी हरेश सिंह और नरेंद्र सिंह ने क्रमशः बताया कि योगाभ्यास प्रतियोगिता में कुल 42 शिक्षक/शिक्षकओं और पठन प्रतियोगिता में 22 छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया है। पुरस्कार समारोह में संस्थान के प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को शुभाशीष प्रदान किया। प्रभारी हरेश सिंह और नरेंद्र सिंह ने विजेताओं की घोषणा की। योगाभ्यास प्रतियोगिता के अंतर्गत शिक्षकों में प्रथम स्थान मनोज कुमार रावत,प्राथमिक विद्यालय ऊमरी, ब्लॉक मथुरा द्वितीय स्थान देशराज, प्राथमिक विद्यालय नगला गिरवर, गोवर्धन, तृतीय स्थान राजकमल प्राथमिक विद्यालय मगदा, राया और शिक्षकाओं में प्रथम स्थान पार्वती प्राथमिक विद्यालय गढ़ी रोसू, फरह, द्वितीय स्थान प्रेरणा राष्ट्रीय बालिका इंटर कॉलेज बलदेव एवं तृतीय स्थान नीरज चौधरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मांट। इसी क्रम में पठन प्रतियोगिता के परिणाम के अंतर्गत बेसिक/माध्यमिक वर्ग में क्रमशःप्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान भारती, परी, कविता एवं लहर चतुवेर्दी, सोफिया, गौरी ने प्राप्त किए। अंत में सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्राचार्य डॉ धर्मेंद्र शर्मा और वरिष्ठ प्रवक्ताओं जमुना प्रसाद सुमन एवं संजय डबराल ने ट्रॉफी और प्रमाणत पत्र देकर सभी शिक्षक/शिक्षकाओं को सम्मानित किया। निर्णायक मंडल में सीमा शर्मा जिला व्यायाम शिक्षिका, नीरज अरोड़ा और शन्नो शुक्ला आयुष विभाग से उपस्थित रहे। इन प्रतियोगिताओं में डीएलएड प्रशिक्षुओं शुभम, पुष्कर, अखिल, अभिषेक, मोनिका, संजू, आशु और बादल साहनी ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया। समापन सत्र में प्रवक्ता हरेश कुमार सिंह, नरेंद्र सिंह, दिगम्बर सिंह, डॉक्टर गौरी पाण्डेय, संतोष कुमार सिंह, कुसुम लता, शिखा शर्मा और हिमांशु मोहन रावत उपस्थित रहे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी हरेश सिंह ने दी है।

जटेरी धाम में ब्रजवासियों की सेवा हेतु लगाया श्रीहित आरोग्य शिविर

श्रीहित राधावल्लभ सेवा ट्रस्ट व मेदांता के डॉक्टर्स ने दी सेवाएं, ब्रजवासियों की सेवा ही प्रभु की सेवा: सुकृत लाल गोस्वामी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। ब्रज चौरासी कोस मंडल में ब्रजवासियों की सेवा-भाव के लिए समर्पित श्रीहित राधावल्लभ सेवा ट्रस्ट द्वारा निरंतर की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की मुहिम अब रंग लाने लगी है, ऐसा ही नजारा ब्रज चौरासी कोस मंडल के डीग क्षेत्र अंतर्गत जटेरी धाम मे देखने को मिला, यहां श्रीहित राधावल्लभ सेवा ट्रस्ट द्वारा 25वें हित आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। इस बार शिविर में ट्रस्ट ने मेदांता ग्रुप के सहयोग से ब्रजवासियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए अलग-अलग कई स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स की टीम भी शामिल हुई। शिविर में डॉक्टर्स ने तमाम तरह के उपकरणों के माध्यम से ब्रजवासियों के स्वास्थ्य की जांच की एवं निशुल्क दवाईयां भी वितरण की गई साथ ही जरूरतमंदों को चश्मे भी वितरण किए गए। श्रीराधावल्लभ मंदिर के सेवायत सुकृत लाल गोस्वामी महाराज ने बताया कि श्रीराधावल्लभ सेवा ट्रस्ट ब्रज चौरासी कोस की उन सभी स्थलियों में पहुंचकर पिछले दो वर्ष से सेवाएं दे रहे हैं, जहां पूर्ण रूप से स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं, ऐसी स्थलियों में ब्रजवासियों की निरंतर सेवाएं की जा रही हैं। साथ ही उन्होनें कहा कि ब्रजवासियों की सेवा ही प्रभु सेवा है। इसी भाव के साथ स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स की टीम ब्रजवासियों के स्वास्थ्य हेतु श्रीहित आरोग्य शिविर लगाकर सेवाएं दे रहे हैं। जटेरी धाम में लगाए गए श्रीहित आरोग्य शिविर के लिए जटेरी धाम के महंत विपिन बिहारी दास महाराज ने श्रीराधावल्लभ सेवा ट्रस्ट व मेदांता ग्रुप की टीम का आभार व्यक्त किया। स्वास्थ्य शिविर में मुख्य रूप से डॉ. सूर्य अग्रवाल, डॉ. अनिल गोयल, डॉ. प्रदीप कुमार राउल, डॉ. रिषभ मिश्रा ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएँ प्रदान करते हुए उपस्थित जनसमुदाय का स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन किया। इस मौके पर बंटी शर्मा, अभिषेक गोस्वामी, दिव्या शर्मा, साक्षी वत्स, संजिल शुक्ला, मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह तरकर, चिराग ठाकुर, जय चौधरी सहित अन्य सहयोगीजन एवं ब्रजवासी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण, बंदियों से बातचीत कर जानी समस्याएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने सोमवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों के अचानक पहुंचने से जेल प्रशासन में भी सक्रियता दिखाई दी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, भोजन और साफ-सफाई की व्यवस्था को परखा। जिलाधिकारी ने सबसे पहले कारागार की विभिन्न बैरकों का निरीक्षण किया। इस दौरान किशोर बैरक, महिला बैरक समेत अन्य बैरकों में पहुंचकर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने वहां मौजूद बंदियों से बातचीत करते हुए उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। बंदियों द्वारा बताई गई समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार स्थित अस्पताल का निरीक्षण किया। अस्पताल में भर्ती एवं उपचार करा रहे बंदियों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली गई। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद चिकित्सक को निर्देशित किया कि बीमार बंदियों के उपचार और स्वास्थ्य सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद बंदियों को समय से चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी की जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बंदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने भोजन की व्यवस्था और गुणवत्ता के बारे में बंदियों से सीधे बातचीत की। साथ ही जेल अधीक्षक को निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप बंदियों को भोजन सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

अधिकारियों ने कारागार परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था का भी जायजा लिया। जिलाधिकारी ने जेल प्रशासन को परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई बनाए रखने तथा बंदियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक, जेलर सहित कारागार प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने जेल प्रशासन को व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

मुश्किल वक्त में घबराएं नहीं, पुलिस को करें सूचित

मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान 5.0 के द्वितीय चरण के तहत महिला थाना की मिशन शक्ति टीम ने बालिकाओं, महिलाओं और आमजन को महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को विपरीत परिस्थितियों में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। टीम ने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह गंभीर है। किसी भी महिला या बालिका को यदि रास्ते में, कार्यस्थल पर, विद्यालय या सार्वजनिक स्थान पर किसी प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ता है तो वह बिना किसी संकोच के पुलिस को सूचना दे सकती है।

इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। टीम ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में 112 पर पुलिस सहायता प्राप्त की जा सकती है। महिलाओं के लिए 1090 महिला हेल्पलाइन, बच्चों की सहायता के लिए 1098 तथा साइबर अपराध से संबंधित शिकायत के लिए 1930 पर संपर्क किया जा सकता है। टीम ने इन नंबरों का आवश्यकता पड़ने पर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के प्रति भी सचेत करते हुए अनजान व्यक्तियों से मोबाइल पर प्राप्त संदेश, फोन कॉल और इंटरनेट लिंक के प्रति सावधानी बरतने की सलाह दी। साथ ही बालिकाओं को सोशल मीडिया का सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल करने तथा अपनी निजी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने के लिए जागरूक किया गया।

बारिश से गिरा मकान गिरा, बेघर हुआ गरीब मंडी के टीन शेड में ली शरण

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। हीरागंज नगर पंचायत के वार्ड नं. 11 फतूहाबाद निवासी रामगरीब धुरिया पुत्र जगन्नाथ का कच्चा मकान सोमवार को बारिश के चलते पूरी तरह धराशायी हो गया। मकान गिरने से गरीब मजदूर बेघर हो गया है। बताया गया कि रामगरीब के परिवार में एक बेटा मुकेश धुरिया है, जो कुंडा में रहकर मजदूरी करता है, जबकि पत्नी मायके में हैं। मकान ढहने के बाद परिवार के पास रहने को छत नहीं बची है। आर्थिक तंगी के चलते रामगरीब अब फतूहाबाद मंडी समिति के टीन शेड के नीचे गुजर-बसर करने को मजबूर है। ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थलीय निरीक्षण कर आवास योजना के तहत लाभ और तात्कालिक मदद की मांग की है।

समस्या लेकर पुलिस कार्यालय पहुंचे फरियादी

अपर पुलिस अधीक्षक ने सुनी शिकायतें, अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में सोमवार को पुलिस कार्यालय में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा जनसुनवाई की गई। इस दौरान पुलिस कार्यालय पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को बारी-बारी से विस्तारपूर्वक सुना गया। अधिकारियों ने प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित प्रकरण की जानकारी प्राप्त की और समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया।जनसुनवाई के दौरान जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से लोग अपनी शिकायतें लेकर पुलिस कार्यालय पहुंचे। किसी ने पारिवारिक विवाद, किसी ने भूमि संबंधी विवाद, तो किसी ने आपसी विवाद एवं अन्य समस्याओं को लेकर शिकायत दर्ज कराई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों से उनकी समस्याओं के संबंध में आवश्यक जानकारी ली और शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा फरियादियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस का प्रमुख दायित्व आमजन की समस्याओं का समाधान कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाना है।उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि शिकायतों की जांच निष्पक्षता के साथ की जाए और दोनों पक्षों की बात सुनकर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही ऐसे मामलों में विशेष ध्यान रखा जाए, जिनमें पीड़ित को तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता हो।जनसुनवाई के दौरान पुलिस कार्यालय में मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी फरियादियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने तथा उनकी शिकायतों को गंभीरता से दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने कहा कि किसी भी पीड़ित व्यक्ति को अपनी समस्या लेकर भटकना न पड़े, इसके लिए शिकायतों के निस्तारण की लगातार निगरानी की जाएगी। पुलिस विभाग की ओर से आमजन को भरोसा दिलाया गया कि उनकी शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी और प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। जनसुनवाई के दौरान फरियादियों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।

डीएम ने ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का किया निरीक्षण

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने पूरेकेशवराय स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ईवीएम एवं वीपीपैट वेयरहाउस में साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था आदि की जांच की। उन्होने निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करायें। उन्होने ईवीएम एवं वीवीपैट के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारी से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान सुरक्षा कर्मियों को निर्देशित किया गया कि वीवीपैट एवं ईवीएम वेयरहाउस की निगरानी मुस्तैदी के साथ करते रहे।

मानदेय बढ़ाने को लेकर बैंक सखियों ने भरी हुंकार चार हजार से 20 हजार रुपये प्रतिमाह करने की उठाई मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जिले में कार्यरत बैंक सखियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर आवाज बुलंद की। जिले के सभी सात विकासखंडों से पहुंची बैंक सखियों ने एकजुट होकर अपनी समस्याएं रखीं और मानदेय बढ़ाने की मांग की।

उनका कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं को लोगों तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन काम और जिम्मेदारियां बढ़ने के बावजूद उन्हें मिलने वाला मानदेय काफी कम है। प्रदर्शन के दौरान बैंक सखियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने, सरकारी योजनाओं से संबंधित धनराशि के लेन-देन में सहायता करने और बैंकिंग सुविधाओं को गांवों तक पहुंचाने में वे लगातार काम कर रही हैं। कई बार उन्हें दूरदराज के क्षेत्रों में जाकर भी अपनी जिम्मेदारियां निभानी पड़ती हैं। इसके बावजूद वर्तमान मानदेय उनकी मेहनत और जिम्मेदारियों के अनुरूप नहीं है।बैंक सखियों ने अपना मानदेय चार हजार रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के दौर में मौजूदा मानदेय में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल है। काम की प्रकृति और जिम्मेदारियों को देखते हुए उन्हें सम्मानजनक मानदेय मिलना चाहिए।मांगों को लेकर बैंक सखियों ने राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार को ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने अपनी समस्याओं और मांगों से अवगत कराते हुए शासन स्तर पर जल्द कार्रवाई किए जाने की अपेक्षा जताई।

बैंक सखियों ने उम्मीद जताई कि उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए सरकार की ओर से उचित निर्णय लिया जाएगा। सातों विकासखंडों से आई बैंक सखियों की एकजुटता से यह स्पष्ट नजर आया कि मानदेय बढ़ाने का मुद्दा उनके लिए महत्वपूर्ण है। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने अपनी मांग को मजबूती से उठाते हुए सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास किया।अब बैंक सखियों की निगाहें शासन के निर्णय पर टिकी हैं। देखना होगा कि उनकी मांग पर सरकार की ओर से क्या कदम उठाया जाता है और मानदेय बढ़ाने को लेकर कोई ठोस निर्णय लिया जाता है।

ब्रज साहित्य परिषद न्यास परासौली की काव्य संध्या एवं कार्यशाला का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। ब्रज साहित्य परिषद न्यास परासौली के नियमित आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में,कम्पूघाट मथुरा स्थित मधुसूदन कृपाधाम में, कार्यशाला के साथ-साथ बृहद काव्य संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रजभाषा के प्रसिद्ध कवि,संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष श्री राधा गोविंद पाठक जी एवं डा.रमाशंकर पांडेय जी ने विशिष्ट अतिथि तथा ब्रज कला केन्द्र से पधारे भगत जी ने मुख्य अतिथि की भूमिका का निर्वहन किया। काव्य संध्या का संचालन कुशल संचालक संस्था के सचिव श्री हरी बाबू ओम जी ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रज भाषा के कोकिल कंठी कवि श्री राधा गोविन्द पाठक जी की सरस्वती वंदना से हुआ। तदुपरांत डा.उदयवीर सिंह ने,माँ के पावन रिश्ते को नमन करते हुए कहा, 'माँ का कोई मोल नहीं, अनमोल रत्न है माँ' काव्य गोष्ठी को गति देते हुए, अति निकट मनाये जाने वाली विश्व विख्यात श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पर्व पर रचना पढ़ते हुए अटल राम जी ने कहा कि 'फिर से जन्मेंगे घर-घर कन्हाई, बधाई है बधाई।' किलोंनी बल्देव से पधारे नारायन सिंह जी ने अपने इष्ट देव जुगल सरकार को प्रणाम करते हुए पढ़ा, 'तोय पुकारूं बंशी बारे,सौं दऊं राधा नाम की,आजा कान्हा देख दुर्दशा अपने जा ब्रज ब्रज धाम की' भक्ति रस की धारा को आगे बढ़ाते हुए अपने सरस छंदों में प्रसिद्ध युवा कवि विनीत गोतम ने कहा कि प्रेम की चरम प्यास देखी जब उद्धव ने, ज्ञान का गुमान घूर-घूर हो गया। कवयित्री नीतू गोस्वामी ने श्री बाँकेबिहारी जी से प्रार्थना करते हुए रचना प्रस्तुत की, 'मोपै कहा बन्यौ अपराध,बिहारी मैंने बिसरायौ' रूपेश धनगर ने अपने दर्द को कुछ इस तरह बयां किया, 'मन की बातें बड़ी रसीली जुमले सुने निहाल हुए।'

वरिष्ठ कवि देवीप्रसाद गौड़ ने अपने समय के रक्षाबंधन पर्व का चित्र खींचते हुए कहा कि बूरौ खामन हम गये बगल रेडियो संग,जीजा कौ रुतबा बड़ों सारे-सारी दंग। गंगा रानी चतुर्वेदी ने,ब्रज की पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा 'मेरौ ब्रज ढूंढ्यौ कहा खरौ है लुकाई' संचालन कर रहे हरी बाबू ओम जी ने अपनी प्रसिद्ध रचना,हाय रुपैया-हाय रुपैया पढ़कर श्रोताओं का मन जीत लिया। नवोदित कवयित्री राखी चतुर्वेदी ने बेटी पर कविता पढ़ते हुए कहा, 'इतनी छूट न दो बेटी को जो बात बड़ों की ना मानें' इसी क्रम में अक्षय चतुर्वेदी ने वाणी पर कविता पढ़ कर तालियां बटोरीं,राष्ट्रीय कवि डा.रमाशंकर पांडेय जी ने यमुना जी की दुर्दशा पर क्षोभ व्यक्त करते हुए। 'जन-जन का दुख हरने वाली अपने दुख से हारी हे बरदानी जन कल्यानी, श्याम की अमिट निशानी।' अंत मे अध्यक्षता कर रहे, श्री राधा गोविन्द पाठक जी ने अपने काव्य पाठ 'ब्रज धाम चले आओ' के साथ,काव्य संध्या में पढ़ी गईं कविताओं की समीक्षा करते हुए, कार्यक्रम के समापन की विधवत घोषणा की।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से बदली शांति देवी की जिंदगी

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का आधार बन रही है। इसी कड़ी में प्रतापगढ़ जिले के विकासखण्ड लक्ष्मणपुर के ग्राम कटैयानवादा निवासी शांति देवी एवं उनके पति राजाराम प्रजापति का परिवार भी योजना से लाभान्वित होकर अपने पक्के आशियाने में खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा भी ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र परिवारों को योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। शांति देवी और उनके पति राजाराम प्रजापति दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सीमित आय के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति लंबे समय तक कमजोर रही। मेहनत-मजदूरी से होने वाली आमदनी से परिवार की रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना ही उनके लिए बड़ी चुनौती थी।

योजना का लाभ मिलने से पहले शांति देवी का परिवार कच्चे और जर्जर मकान में रहने को मजबूर था। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकने के कारण घर का सामान सुरक्षित रखना मुश्किल हो जाता था। तेज बारिश और खराब मौसम में परिवार को बच्चों की सुरक्षा की भी चिंता रहती थी। छोटा और जर्जर मकान होने के कारण परिवार के सदस्यों को रहने तथा घरेलू सामान व्यवस्थित रखने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। परिवार में एक बेटा और एक बेटी हैं, जो क्रमशः कक्षा 6 और कक्षा 7 में अध्ययनरत हैं। बच्चों की पढ़ाई के लिए सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना भी परिवार के लिए एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण शांति देवी के परिवार के लिए नई उम्मीद लेकर आई। योजना के अंतर्गत पक्का आवास स्वीकृत होने और निर्माण पूरा होने के बाद परिवार को वर्षों के इंतजार के बाद अपना सुरक्षित एवं मजबूत आशियाना मिल गया। अब परिवार को बारिश में छत टपकने या घर का सामान खराब होने की चिंता नहीं रहती।

आज शांति देवी अपने परिवार के साथ पक्के मकान में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रही हैं। घर मिलने से बच्चों को पढ़ाई के लिए भी बेहतर वातावरण मिला है। परिवार में सुरक्षा की भावना के साथ भविष्य को लेकर आत्मविश्वास भी बढ़ा है। शांति देवी कहती हैं, पक्का घर मिलने से हमारे परिवार का जीवन पूरी तरह बदल गया है। अब बारिश और खराब मौसम में घर की चिंता नहीं रहती। हमारा अपना सुरक्षित घर होना हमारे लिए बहुत बड़ी खुशी और सम्मान की बात है। सरकार की इस योजना से हमारा वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्ल के संकल्प तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पात्र परिवारों तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। शांति देवी का परिवार इसका जीवंत उदाहरण है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ने शांति देवी को सिर्फ पक्की छत नहीं दी, बल्कि परिवार को सुरक्षा, सम्मान, स्थायित्व और बेहतर भविष्य का भरोसा दिया है। कच्चे घर से पक्के आशियाने तक का यह सफर ग्रामीण भारत में बदलती तस्वीर और जनकल्याणकारी योजनाओं के सकारात्मक प्रभाव की प्रेरणादायक कहानी है।

बनकटिया चौराहे पर खलीलाबाद चैरिटेबल ब्लड बैंक का हुआ उद्घाटन

सेवा संस्थान से जरूरतमंदों को मिलेगी राहतः जय चौबे

संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। विधानसभा क्षेत्र खलीलाबाद के बनकटिया चौराहे पर सोमवार को खलीलाबाद चैरिटेबल ब्लड बैंक का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में खलीलाबाद के पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे एवं खलीलाबाद प्रमुख प्रतिनिधि नित्यानंद बतौर अतिथि पहुंचे। दोनों अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर ब्लड बैंक का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे ने कहा कि रक्तदान और रक्त की उपलब्धता मानव जीवन बचाने से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य है। दुर्घटना, प्रसव, गंभीर बीमारी अथवा आपातकालीन स्थिति में समय पर रक्त उपलब्ध होना किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। ऐसे में बनकटिया चौराहे पर चैरिटेबल ब्लड बैंक की स्थापना क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि मानवता और सेवा की भावना से शुरू किया गया यह संस्थान जरूरतमंद लोगों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। उन्होंने संस्था के अध्यक्ष राजेश सिंह एवं सचिव विजय सिंह सहित पूरी टीम को इस पुनीत कार्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए संस्थान के निरंतर प्रगति करने की कामना की। खलीलाबाद प्रमुख प्रतिनिधि नित्यानंद ने भी ब्लड बैंक के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि रक्त की जरूरत किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है। ऐसे संस्थान लोगों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आमजन से भी रक्तदान के प्रति जागरूक होने और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। संस्था के अध्यक्ष राजेश सिंह एवं सचिव विजय सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि खलीलाबाद चैरिटेबल ब्लड बैंक का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को आवश्यकतानुसार रक्त उपलब्ध कराने में सहयोग करना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि संस्था सेवा भावना के साथ कार्य करते हुए लोगों के जीवन बचाने में अपना योगदान देने का प्रयास करेगी। उद्घाटन समारोह के दौरान क्षेत्र के गणमान्य लोग, समाजसेवी एवं संस्था से जुड़े पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने चैरिटेबल ब्लड बैंक की स्थापना को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण और जनहितकारी पहल बताते हुए संस्था के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

डिबाई में अवैध मिट्टी खनन पर जिला खनन अधिकारी का छापा, दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां सीज

कई माह से अवैध खनन की शिकायतों के बीच देर रात हुई कार्रवाई, खनन कारोबारियों में मचा हड़कंप

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई। तहसील क्षेत्र में कथित अवैध मिट्टी खनन को लेकर जिला खनन अधिकारी ने देर रात अचानक कार्रवाई की। टीम ने अवैध मिट्टी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़कर थाने में सीज करा दिया। जिला खनन अधिकारी की कार्रवाई से अवैध खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। क्षेत्र में पिछले कई महीनों से अवैध मिट्टी खनन किए जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। भीमपुर दोराहा, नगला खेड़ा, कसेर, कादरीबाग और धरमपुर रोड समेत कई स्थानों पर मिट्टी खनन को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा शिकायतें किए जाने की बात कही जा रही है। अवैध खनन से जुड़े वीडियो भी सामने आने के दावे किए जाते रहे हैं। इसी बीच बीती रात जिला खनन अधिकारी ने अचानक क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए मिट्टी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़ लिया। दोनों वाहनों को थाने में लाकर सीज कर दिया गया। कार्रवाई की जानकारी मिलते ही खनन से जुड़े लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जिला मुख्यालय से करीब 50-60 किलोमीटर दूर डिबाई क्षेत्र में जिला खनन अधिकारी द्वारा सीधे कार्रवाई किए जाने के बाद स्थानीय प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन की शिकायतें मिल रही थीं तो स्थानीय स्तर पर नियमित और प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई। लोगों का कहना है कि अवैध मिट्टी खनन पर लगातार निगरानी और कार्रवाई होने से इस कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। वहीं, जिला खनन अधिकारी की कार्रवाई के बाद अब लोगों की नजर स्थानीय तहसील प्रशासन की अगली कार्रवाई पर है। अब सवाल यह है कि दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को सीज किए जाने के बाद क्या क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन पर स्थायी रूप से रोक लगेगी या कुछ दिनों बाद फिर से वही स्थिति दिखाई देगी।

भाजपा नवनियुक्त जिला महामंत्री संजीव सिंह गौतम के आवास पर बधाई देने वालों का लगा तांता

वेलकम इंडिया/संदीप तिवारी

मिजार्मुराद। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा रविवार को वाराणसी जिले की नई कार्यकारिणी घोषित किए जाने के बाद जिले में जश्न का माहौल है। मिजार्मुराद क्षेत्र के गौर गांव निवासी संजीव सिंह गौतम को भाजपा जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद सोमवार सुबह से ही उनके आवास और महाविद्यालय पर शुभचिंतकों और कार्यकताओं का तांता लगा रहा।रविवार को जारी सूची में संजीव सिंह गौतम को जिला महामंत्री बनाए जाने की घोषणा होते ही क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। पार्टी कार्यकताओं ने इसे संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने वाला फैसला बताया।सोमवार सुबह से ही गौर गांव स्थित आवास पर बधाई देने वालों का आना-जाना शुरू हो गया। कार्यकताओं, पदाधिकारियों और आम जनता ने संजीव सिंह गौतम को मिठाई खिलाकर, अंगवस्त्र पहनाकर और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। साथ ही महाविद्यालय परिसर में भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर उन्हें बधाई दे रहे थे।स्थानीय कार्यकताओं का कहना है कि संजीव सिंह गौतम संगठन में लंबे समय से सक्रिय हैं और जमीनी कार्यकताओं की समस्याओं को शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका रही है। महामंत्री बनाए जाने से क्षेत्र के कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।नवनियुक्त जिला महामंत्री संजीव सिंह गौतम ने सभी कार्यकताओं और शुभचिंतकों का आभार जताते हुए कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है उसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वाराणसी जिले में संगठन को और मजबूत करने के साथ-साथ जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

ठुमरी और भाव-संगीत की रसधारा में सराबोर हुई 'आप की महफिल'

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। सिद्धगिरि बाग स्थित बागेश्वरी देवी ठुमरी अकादमी के सभागार में स्वरांगना ललित कला केंद्र की ओर से आयोजित संगीत संध्या 'आप की महफिल' में ठुमरी और भाव-संगीत की मनोहारी प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को सुरों की रसधारा में सराबोर कर दिया। प्रतिभावान गायिका विदुषी वर्मा ने अपने सुमधुर एवं भावपूर्ण गायन से श्रोताओं का मन मोह लिया। विदुषी वर्मा ने गायन की शुरूआत ठुमरी साम्राज्ञी बागेश्वरी देवी की चर्चित ठुमरी 'लागी नजरिया के बान' से की। इसके बाद उन्होंने 'सजनवा सावन बीता जाए', 'बोलत काग अँगनवा', 'भीगी जाऊं मैं गुइया', 'दयार-ए-दिल की रात में' और 'दिल धड़कने का सबब' जैसी रचनाओं की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। उनकी गायकी में सुर, भाव और शब्दों का सुंदर समन्वय देखने को मिला, जिसे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से सराहा। कार्यक्रम का समापन भक्ति रस से ओतप्रोत भजन 'रंगीली घनघोर छे' की प्रस्तुति से हुआ। भजन की भावपूर्ण प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया और श्रोताओं ने इसे खूब सराहा। गायन में तबले पर श्रीकांत मिश्रा, हारमोनियम पर ओम प्रकाश पांडेय तथा साइड रिदम पर संजय कुमार श्रीवास्तव ने प्रभावशाली संगत प्रदान की।

कंदवा की नट बस्ती में 'उज्जवल पाठशाला' का शुभारंभ

शिक्षा से वंचित बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने और विद्यालय में प्रवेश दिलाने की पहल

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। उज्जवल किरण जनकल्याण ट्रस्ट की पहल ह्यउज्जवल पाठशालाह्ण के तहत कंदवा स्थित अमरा खैरा नट बस्ती में रविवार को निशुल्क शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य बस्ती के बच्चों को शिक्षा से जोड़ना और उन्हें गुणवत्तापूर्ण निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के तहत बच्चों को नियमित रूप से शिक्षा दी जाएगी। फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी (एफएलएन) के माध्यम से बच्चों में पढ़ने, लिखने और गणित के बुनियादी ज्ञान एवं कौशल को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वहीं, किसी कारण से नियमित विद्यालयी शिक्षा से दूर हो चुके बच्चों को दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ विद्यालय में प्रवेश लेने और आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक समिति के नंदलाल मास्टर एवं सौहार्द पीस सेंटर के फादर आनंद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों और उज्जवल किरण जनकल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष अरविंद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। संचालन अधिवक्ता अबू हाशमी ने किया। इस पहल को डब्ल्यू.एच. स्मिथ मेमोरियल स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. अनीता डे, रोटरी क्लब वाराणसी साउथ, एल-वन कोचिंग दुगार्कुंड के ब्रिजेश कुमार एवं अंबर तथा होप रील्स प्रोडक्शन की ओर से सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस सहयोग से बस्ती के बच्चों को नियमित रूप से निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर फादर आनंद ने महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले के शिक्षा और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को उनके जीवन और संघर्ष से प्रेरणा लेते हुए नियमित रूप से शिक्षा प्राप्त करने तथा अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उज्जवल किरण जनकल्याण ट्रस्ट के सदस्यों एवं सामाजिक कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर अधिवक्ता अबू हाशमी, मौसमी राय, अशोक कुमार, किरण देवी सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अयोध्या सीमा से कुढ़ासादात तक हरीश द्विवेदी का भव्य स्वागत

वेलकम इंडिया/फतेह खान

रुदौली, अयोध्या। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के प्रथम अयोध्या आगमन पर भाजपा कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। अयोध्या की सीमा पर रानीमऊ चौराहे में रुदौली विधायक रामचंद्र यादव की अगुवाई में बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।इसके बाद कुढ़ासादात में भी हरीश द्विवेदी का फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। विधायक रामचंद्र यादव की अगुवाई में उमड़े कार्यकताओं ने पूरे उत्साह के साथ उनका अभिनंदन किया। इस दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई। हरीश द्विवेदी के स्वागत में उमड़ा कार्यकताओं का हुजूम और माहौल में दिखा उत्साह चर्चा का विषय रहा। पूरे कार्यक्रम में रुदौली विधायक रामचंद्र यादव की सक्रिय अगुवाई और व्यवस्थाओं की कार्यकताओं ने सराहना की।

ईयू-भारत मुक्त व्यापार समझौते और निर्यात संवर्धन मिशन पर दो सितंबर को होगा जागरूकता कार्यक्रम

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। वाराणसी एवं पूर्वांचल के वस्त्र उद्योग को वैश्विक बाजार से जोड़ने और निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन वस्त्र समिति द्वारा संचालित टेक्सटाइल एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन सेंटर (टीईएफसी), वाराणसी की ओर से 'वस्त्र क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना : भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता एवं निर्यात संवर्धन मिशन' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन दो सितंबर 2026 को वाराणसी में होगा। कार्यक्रम में वस्त्र आयुक्त, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार वृंदा मनोहर देसाई मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम का उद्देश्य वाराणसी एवं आसपास के क्षेत्रों के वस्त्र निर्माताओं, निर्यातकों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, हथकरघा तथा मेड-अप उत्पाद निमार्ताओं को यूरोपीय संघ के बाजार में उपलब्ध अवसरों और निर्यात बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देना है। कार्यक्रम में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से भारतीय वस्त्र क्षेत्र को मिलने वाले संभावित लाभों पर विस्तार से चर्चा होगी। इसके अलावा यूरोपीय बाजार तक पहुंच, शुल्क रियायतों, मूल स्थान के नियम, आवश्यक दस्तावेज, नियामकीय अनुपालन तथा निर्यात के नए अवसरों के संबंध में विशेषज्ञ जानकारी देंगे। इसके साथ ही निर्यात संवर्धन मिशन के तहत निर्यातकों एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को उपलब्ध सहायता, अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच, ब्रांडिंग, बाजार विकास और क्षमता निर्माण से जुड़ी विभिन्न पहलों की जानकारी दी जाएगी। विशेषज्ञ अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों, उत्पाद अनुपालन, पैकेजिंग एवं लेबलिंग, निर्यात दस्तावेजीकरण, बाजार संबंधी जानकारी और विदेशी खरीदारों तक पहुंच बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी मार्गदर्शन देंगे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को टीईएफसी वाराणसी की ओर से उपलब्ध कराई जा रही निर्यात सुविधा सेवाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

काशी विद्यापीठ के छात्र नेता अमित पटेल रिंकू बने भाजपा जिला उपाध्यक्ष, ग्रामीणों में खुशी

वेलकम इंडिया/संदीप तिवारी

वाराणसी/मिजार्मुराद। भाजपा की नवगठित जिला कमेटी में अधिवक्ता अमित पटेल रिंकू को जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर रोहनिया और सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों व अधिवक्ताओं में खुशी की लहर है। कार्यकताओं ने मिठाइयां बांटकर हर्ष व्यक्त किया। राजातालाब तहसील के बभनियाव, नागेपुर, हरसोस, मोहनसराय, मिल्की चक और बैरवन गांव में अधिवक्ताओं व ग्रामीणों ने जश्न मनाया। भाजपा नेता समीर सिंह विशाल ने शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए कहा कि कर्मठ और जुझारू युवा नेता को दायित्व मिलने से कार्यकताओं में संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण बढ़ेगा। बधाई देने वालों में अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', अमित सिंह 'पीयूष', बाबा पटेल, मनीष जायसवाल, किशन सिंह, समीर सिंह विशाल, गंजरी प्रधान अमित पटेल, अजय पटेल, लक्ष्मण पटेल, प्रदीप पटेल, अमित साहनी, अरविंद साहनी, सुरेंद्र राजभर, पद्मनाभन मिश्रा और सुजीत सिंह सहित कई लोग शामिल रहे।

कांग्रेस नेता ने दो दिवसीय दौरे पर रह किया दर्जनों गांव का जनसंपर्क, विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल

वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज/अयोध्या। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने विधानसभा रूदौली के दो दिवसीय दौरे पर रहकर दर्जनों गांवो में पहुंच सघन जनसंपर्क किया दौरान जनसंपर्क कई कार्यक्रमों सम्मिलित भी हुए। जानकारी के अनुसार अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता दयानन्द शुक्ला ने अपने साथियों के साथ रूदौली विधानसभा में दो दिवसीय दौरे पर रहकर दर्जनों गांवो में पहुंच सघन जनसंपर्क किया दौरान जनसंपर्क उन्होंने नयागंज में स्थित प्राचीन शिव मंदिर के 17वे वार्षिकोत्सव में पहुंच दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया उससे पूर्व शिव मंदिर कमेटी के सदस्यों द्वारा श्री शुक्ला को स्मृति चिन्ह,अंग वस्त्र पहना जोरदार स्वागत किया। तथा पृथ्वीनाथ अवस्थी के निधन के उपरांत उनके आवास पर पहुंच शोक व्यक्त किया, मोहम्मद पुर गांव में मो दाऊद के घर जा कुशलक्षेम जाना, तथा बहपुर में अधिवक्ता जलालुद्दीन से मिल कुशलक्षेम जाना है। वही दूसरी ओर माजनपुर गांव में डॉ मोबिन, हलीम नगर में पत्रकार अबूबकर समाजसेवी मायाराम यादव, हयातनगर में पंडित मीना से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना। तत्पश्चात उन्होंने नौगवा डीह में स्थित अपने माता पिता के स्मारक पर पहुंच उनका दर्शन पूजन किया। इस अवसर पर रणजीत सिंह मोबीन अहमद परमानंद शुक्ला सहित कांग्रेस के समस्त पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

अंकुर चौधरी हत्याकांड पर भड़का अधिवक्ताओं का गुस्सा, दर्जनों अधिवक्ताओं ने किया खुर्जा कोतवाली का घेराव

वेलकम इंडिया संवाददाता

खुर्जा/बुलंदशहर। अंकुर चौधरी हत्याकांड को लेकर अधिवक्ताओं का आक्रोश अब सड़क से लेकर कोतवाली तक पहुंच गया। सोमवार को दर्जनों अधिवक्ताओं ने खुर्जा कोतवाली का घेराव कर पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई। अधिवक्ताओं ने साफ चेतावनी दी कि अंकुर चौधरी के हत्यारों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। प्रदर्शन के बाद अधिवक्ताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों पर ठरअ लगाने, फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी, मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा और परिवार को सुरक्षा देने की मांग की। दरअसल, 20 अगस्त को अंकुर चौधरी पर जानलेवा हमला किया गया था। हमले में अंकुर गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनका इलाज चल रहा था। जिंदगी और मौत के बीच जूझते हुए दो दिन पहले अंकुर चौधरी की मौत हो गई। उनकी मौत के बाद हत्याकांड को लेकर लोगों में आक्रोश और बढ़ गया है। कोतवाली पहुंचे अधिवक्ताओं ने पुलिस से सवाल किया कि वारदात में शामिल बचे हुए आरोपियों की गिरफ्तारी आखिर कब होगी? अधिवक्ताओं का कहना है कि जब तक हत्याकांड में शामिल एक-एक आरोपी गिरफ्तार नहीं होता, तब तक उनका आक्रोश शांत नहीं होगा। हालांकि पुलिस अब तक अलग-अलग मुठभेड़ों में दो इनामी बदमाशों समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इसके बावजूद अधिवक्ताओं की मांग है कि हत्याकांड में शामिल कोई भी आरोपी कानून की गिरफ्त से बाहर नहीं रहना चाहिए। एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में मृतक के परिवार को उचित आर्थिक सहायता और सुरक्षा देने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। अब बड़ा सवाल यही है कि अधिवक्ताओं के बढ़ते दबाव के बाद पुलिस फरार आरोपियों पर कब तक शिकंजा कसती है और हत्याकांड के सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कब तक होती है।

विश्वकर्मा पूजा का सार्वजनिक अवकाश रद्द कर भाजपा सरकार कर रही शिल्प देवता का अपमान : विष्णु शर्मा

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' ने पत्रकारों से वार्ता में उत्तर प्रदेश सरकार से 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर राजकीय सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज के आराध्य एवं शिल्प देवता भगवान विश्वकर्मा से करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है। ऐसे में उनके पूजन दिवस का सार्वजनिक अवकाश समाप्त किया जाना समाज की भावनाओं की अनदेखी है। विष्णु शर्मा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर राजकीय अवकाश घोषित किया था। इससे विश्वकर्मा समाज में सम्मान और गौरव की भावना बढ़ी थी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी समाज के लोगों को राजनीतिक भागीदारी देकर उनका सम्मान बढ़ाने का कार्य किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार ने 17 सितंबर के अवकाश को समाप्त कर दिया है। उन्होंने सरकार से मांग की कि भगवान विश्वकर्मा पूजा के दिन 17 सितंबर को पुनः राजकीय सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए। विष्णु शर्मा ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में विश्वकर्मा समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भगवान विश्वकर्मा समाज के आराध्य और कुलदेवता हैं तथा गौरव, स्वाभिमान और अस्तित्व के प्रतीक माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर देशभर के औद्योगिक प्रतिष्ठानों, कारखानों, कार्यशालाओं और विभिन्न प्रकार के कारीगरी कार्यों से जुड़े लोग जाति-धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा देश के करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े हैं। देश में विभिन्न देवी-देवताओं, महापुरुषों और धर्मगुरुओं से जुड़े अवसरों पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाते हैं, जिसका उद्देश्य उनके योगदान, विचारों और आदर्शों को सम्मान देना तथा उनकी स्मृतियों को जीवंत रखना है। विष्णु शर्मा ने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में धार्मिक एवं सांस्कृतिक एकता बनाए रखने के लिए सभी समुदायों की भावनाओं और परंपराओं का सम्मान करना सरकार का दायित्व है।

तीन शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की बाइक और दो चेसिस बरामद

बुलंदशहर। बीबीनगर पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तीन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल, चोरी की दो मोटरसाइकिलों के चेसिस तथा अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 30 अगस्त को गुलाव नगर तिराहे के पास अभिसूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कपिल शर्मा, गौरव उर्फ सन्नी उर्फ भूरा और सन्नी को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी बुलंदशहर और आसपास के क्षेत्रों से मोटरसाइकिल चोरी कर उनके पार्ट्स निकालकर सस्ते दामों में बेचते थे। बरामद एचएफ डीलक्स बाइक खुर्जा नगर क्षेत्र से, टीवीएस स्पोर्ट का चेसिस गुलावठी क्षेत्र से और स्प्लेंडर प्लस का चेसिस कोतवाली नगर क्षेत्र से चोरी किया गया था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीबीनगर थाने में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

इंडियन डेंटल एसोसिएशन मोदीनगर का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ संपन्न

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। इंडियन डेंटल एसोसिएशन द्वारा स्थापना दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ.टीपी चतुर्वेदी(वाइस प्रेसिडेंट, इंडियन डेंटल एसोसिएशन), डॉ. सुधाकर सिंह (प्रेसीडेंट, इंडियन डेंटल एसोसिएशन उत्तर प्रदेश स्टेट), डॉ. विकास तिवारी (सेंट्रल काउंसिल मेंबर, इंडियन डेंटल एसोसिएशन), डॉ. मंजू सिवाच (विधायक, मोदीनगर), डॉ. योगेश सिंघल (प्रेसीडेंट,आईएमए मोदीनगर), डॉ. सौरभ गुप्ता (सेक्रेटरी, आईएमए मोदीनगर) एवं डॉ. विपिन अग्रवाल अध्यक्ष डॉ. दीपक गुप्ता - सेक्रेटरी.)द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।इंडियन डेंटल एसोसिएशन मोदीनगर का उद्देश्य मोदीनगर एवं आसपास के क्षेत्र में दंत चिकित्सा के क्षेत्र में व्यावसायिक उत्कृष्टता, सतत दंत चिकित्सा शिक्षा (सीडीई), वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों, जन-जागरूकता तथा सामुदायिक मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है। इंडियन डेंटल एसोसिएशन की स्थानीय शाखाएं अपने क्षेत्र में संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने और ओरल हेल्थ केयर को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।इस मौके पर समय-समय पर डेंटल डॉक्टर्स की आने वाली समस्याओं को विस्तार उठाते हुए गहन चिंतन किया गया।इस अवसर पर आयुष्मान कार्ड धारकों को डेंटल सुविधा उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई गई। डॉक्टरों का कहना है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग समय से अपने दांतों का सही से उपचार नहीं कर पाते, जिससे उन्हें भारी समस्या होती है। उन्होंने क्षेत्रीय विधायक डॉ मंजू सिवाच से आयुष्मान कार्ड से चिकित्सा सुविधा में डेंटल क्लिनिकों भी शामिल कराने के लिए प्रयास करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम के दौरान नई कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई ' इस अवसर पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन मोदीनगर की नई कार्यकारिणी के सदस्य डॉ एसपी सिंह, डॉ. विपिन अग्रवाल(अध्यक्ष), डॉ. दीपक गुप्ता - (सेक्रेटरी), डॉ॰ मनीष गर्ग,डॉ. रवि नेहरा, डॉ अमित अग्रवाल।डॉ. अलका मोदी , डॉ. गौरव भाटिया, डॉ. रमन सिंघला,डॉ. विकास बंसल,डॉ. आशीष सिंघला,डॉ. अनुराग तोमर, डॉ. अभिलाष, डॉ. अमित, डॉ. अर्पित सक्सेना, डॉ. विप्रा एवं डॉ. रश्मि अग्रवाल डॉ आलम, डॉ हारिस, डॉ अकाश, डॉ हर्षिता डॉ अभिनव डॉ नमित डॉ निकिता डॉ संतोष डॉ सुनैना डॉ विवेक उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशीष कुमार एवं डॉ. श्रेया द्वारा किया गया।

अनुज गोयल कॉलेज ऑफ लॉ, नवान्तुक छात्र व छात्राओ का स्वागत समारोह सम्पन्न

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अनुज गोयल कॉलेज ऑफ लॉ, भोजपुर, मोदीनगर, गाजियाबाद में विधि विभाग के एलएल०बी० एवं बी०ए०एलएल०बी० सत्र 2026-27 के नवान्तुक छात्र व छात्राओ का स्वागत समारोह सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम शिक्षाविद, समाजसेवी सीए० काउन्सिल मेम्बर सीए० (डा०) अनुज गोयल, विशिष्ट अथिति सीए० प्रसन्न कुमार डी अध्यक्ष-आई०सी०ए०आई०, सीए० चरनजोत सिंह नन्दा पूर्व अध्यक्ष-आई०सी०ए०आई०, सीए० (डा०) गिरिश आहुजा (टेक्स गुरू), सीए० राजेन्द्र प्रकाश असपाल विशेष अथिति, अमित शर्मा (कामेडियन), सुप्रसिद्व अधिवक्ता व ट्रस्टी अमन गोयल, कॉलेज की संरक्षिका श्रीमती माया गोयल, कॉलेज की निदेशिका डा० पूनम गोयल डा० जुगेश असपाल, सीए० मुकुल सिंघल ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर सरस्वती वन्दना किया। सभी नवान्तुक छात्र व छात्राओ को स्मृति चिह्न प्रदान करके स्वागत किया। सीए० (डा०) अनुज गोयल ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि ओरिएंटेशन प्रोग्राम एक ऐसा परिचयात्मक या उन्मुखीकरण कार्यक्रम है जो किसी नए छात्र या कर्मचारी को किसी नए संस्थान, कॉलेज के माहौल से परिचित कराने के लिए आयोजित किया जाता है। यह दिन हम सबके लिए बहुत खास है। आज से आप सभी एक और महत्वपूर्ण सफर की शुरूआत कर रहे है।

ब्राह्मण महासभा के कार्यक्रम में प्रतिभाशाली छात्रों की किया गया सम्मान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ओम ब्राह्मण महासभा दिल्ली द्वारा आयोजित प्रतिभाशाली छात्र सम्मान समारोह में अतिथि के रूप में अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी डी शर्मा , राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज, राष्ट्रीय प्रवक्ता शिवकुमार शर्मा और जिला गाजियाबाद के अध्यक्ष बुद्ध प्रकाश शर्मा उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम ओम ब्राह्मण महासभा द्वारा आयोजित किया गया।जिसमें सैकड़ो बच्चों को जिन्होंने हाई स्कूल और इंटर परीक्षा में सर्वोत्तम अंक प्राप्त किए थे उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित रहे अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के सम्मानित पदाधिकारी को अंग वस्त्र पहनकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के संयोजक वाई के शर्मा,बृजेश शर्मा व समस्त कार्यक्रम के आयोजकों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय महामंत्री का सम्मान किया।राष्ट्रीय अध्यक्ष बी डी शर्मा ने सफल कार्यक्रम के लिए आयोजकों को धन्यवाद भी दिया।

आरकेजीआईटी में दो दिवसीय 'फिट इंडिया मूवमेंट' एवं 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' कार्यक्रम का सफल आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गाजियाबाद में राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर 29 एवं 30 अगस्त 2026 को 'फिट इंडिया मूवमेंट'. एवं 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत'. अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय खेल एवं फिटनेस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग एवं समन्वय से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में दोनों दिनों में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस दौरान शपथ समारोह, योग सत्र, वॉलीबॉल, रस्साकशी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन एवं फिटनेस जागरूकता रैली सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में फिटनेस, नियमित व्यायाम, खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना रहा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्तिक शर्मा, राष्ट्रीय साइक्लिंग चैंपियन एवं ऋक्ष्ळ कल्र्ला अुं२रंङ्घि१, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को खेल एवं फिटनेस को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में सुएकता मिश्रा, जिला युवा अधिकारी, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, की महत्वपूर्ण उपस्थिति एवं सहयोग रहा।इस अवसर पर आरकेजीआईटी के निदेशक डॉ. बी. सी. शर्मा ने कहा कि स्वस्थ एवं अनुशासित युवा ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं। वहीं डीन, स्टूडेंट वेलफेयर एच. जी. गर्ग ने विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आरकेजीआईटी प्रबंधन, निदेशक, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, स्पोर्ट्स टीम एवं ठरर इकाई का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ओवर ब्रिज के निर्माण हेतु बीच में आ रहे निर्माण अवरोध को हटवाने की कार्रवाई की

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल पंवार के निदेर्शानुसार सोमवार को राज चौपला के निकट गाजियाबाद.सहारनपुर रेलवे लाइन के किमी0.48/14.15 में सम्पार संख्या.15सी (स्पेशल)/2टी के स्थान पर 04 लेन रेल उपरिगामी सेतु निर्माण की प्रगति के सम्बन्ध में तहसीलदार मोदीनगर रजत सिंह व सेतु निगम विभाग द्वारा ग्राम बेगमाबाद बुदाना तहसील मोदीनगर में राज चौपला हापुड़ मार्ग पर स्थित रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण हेतु बीच में आ रहे निर्माण अवरोध को हटवाने की कार्यवाही की गयी है।

किसानों को करीब 250 करोड़ का गन्ना भुगतान, समिति अध्यक्ष ने मोदी ग्रुप का जताया आभार

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर गाजियाबाद सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड में सोमवार को किसानों के बकाया गन्ना भुगतान को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष राजन चौधरी ने बताया कि मोदी शुगर मिल द्वारा किसानों का करीब 250 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान पेराई सत्र शुरू होने से पहले कर दिया गया है।

समिति अध्यक्ष राजन चौधरी ने कहा कि पिछले करीब 18 वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है कि पेराई सत्र शुरू होने से पहले किसानों के बकाया भुगतान का इतना बड़ा निस्तारण किया गया है। उन्होंने इसके लिए सेठ उमेश कुमार मोदी एवं मोदी ग्रुप का आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि मोदी शुगर मिल प्रबंधन ने आगामी पेराई सत्र 2026 में किसानों के गन्ने का भुगतान 14 दिन के भीतर करने का भरोसा दिया है।

उन्होंने कहा कि समय से भुगतान होने से किसानों को आर्थिक रूप से राहत मिलेगी और खेती से जुड़े कार्यों में भी सुविधा होगी। राजन चौधरी ने इस पहल का श्रेय किसानों की एकजुटता और मोदी ग्रुप के सहयोग को देते हुए किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

साथ ही उन्होंने प्रदेश की योगी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार का भी आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। समिति अध्यक्ष ने कहा कि किसानों के हितों और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

डॉ के एन मोदी कॉलेज मे जनपदीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

मोदी कॉलेज के 11 छात्रों ने गोल्ड मेडल जीतकर मंडल में अपना स्थान पक्का किया

- शतरंज केवल खेल ही नहीं बल्कि यह बुद्धि ,धैर्य और रणनीति का एक अद्भुत संगम है- डॉ एस सी अग्रवाल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में माध्यमिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में जनपदीय शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की गई । विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जनपद के चारों क्षेत्र मुरादनगर लोनी गाजियाबाद और मोदीनगर के 14 विद्यालयों के लगभग 150 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिनमें डॉक्टर के एन मोदी, रूकमणि मोदी बालिका इंटर कॉलेज ,कन्या वेदिक इंटर कॉलेज गाजियाबाद , पी बीएस इंटर कॉलेज मोदीनगर आदि विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभा किया।

टीमों में अंदर 14 अंदर 17 अंदर 19 में बालक बालिका तीन वर्गों में कराई गई थी अंडर-19 में बालक वर्ग में अंश शर्मा ,वंश शर्मा, शुभम डॉक्टर के एन मोदी कॉलेज मोहित शंभू दयाल इंटर कॉलेज हरशलाल लोनी अंडर 17 में कृष्ण श्रीवास्तव, तनिष्क हिरदांस उत्कर्ष डॉक्टर के एन मोदी, आदित्य ऑर्डिनेंस फैक्ट्री मुरादनगर निशांत नवजीवन इंटर कॉलेज अंडर 14 में आरव शर्मा ,सार्थक ,आरव कुमार पारस सैनी के एन मोदी और अभिषेक स्प्रिंगफील्ड लोनी, बालिका वर्ग में यशिका लैफा अनन्या,खुशी और हिमांशी शर्मा अंडर 17 में विदुषी शर्लिन शाह मानसी सैनी अर्जित ओपेरा अंडर-19 में हिमांशी, विमला ,रुद्रांशी, हंसिका सैनी मोनिशा आदि छात्र-छात्राओं ने गोल्ड मेडल जीतकर मंडल में अपना स्थान पक्का किया। इस प्रकार कुल 30 छात्र छात्राएं 2 सितंबर को डिबाई बुलंदशहर में मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे । विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय के खेल प्रशिक्षक राजीव सिंह व श्रीमती प्रीति शर्मा के निर्देशन में छात्र प्रत्येक प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रतियोगिता को सफल बनाने में विभिन्न विद्यालयों के खेल प्रशिक्षक श्रीमती दीप्ति उज्जवल, रेखा त्यागी,जयवर्धन सिंह, मदन रावत , दीपक पंवार श्रीमती लक्ष्मी , शाहरुख खान , मनीष कुमार , जितेंद्र कुमार आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

निर्माण श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का 'सहारां, 9 सितंबर तक चलेगा विशेष पंजीकरण अभियान

लेबर चौकों पर लगेंगे जागरूकता शिविर, डिजिटल ऐप से घर बैठे रोजगार का मिलेगा अवसर

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। निर्माण श्रमिकों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और उनका शत-प्रतिशत पंजीकरण कराने के लिए श्रम विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान 31 अगस्त से 9 सितंबर तक जिलेभर में चलेगा। इस दौरान सुबह 8 से 11:30 बजे तक विभिन्न लेबर चौकों और लेबर अड्डों पर पंजीकरण एवं जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे। उप श्रमायुक्त डॉ. दिव्य प्रताप सिंह ने बताया कि शिविरों में UP BOCW Digital Labour Chowk Mobile App के जरिए निर्माण श्रमिकों और सेवायोजकों का पंजीकरण कराया जाएगा। ऐप पर पंजीकरण के बाद श्रमिकों को मोबाइल के माध्यम से घर बैठे रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। इसके अलावा असंगठित श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल तथा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना में भी पंजीकरण कराया जाएगा। 31 अगस्त को नासिरपुर फाटक में 200, घंटाघर में 150, संजय नगर सेक्टर-3 में 110 और सम्राट चौक विजय नगर में 105 श्रमिकों को जागरूक किया गया। नासिरपुर फाटक पर स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित हुआ। पंजीकरण के लिए श्रमिक की आयु 18 से 60 वर्ष और पिछले 12 माह में कम से कम 90 दिन निर्माण कार्य किया होना जरूरी है। फैमिली आईडी या राशन कार्ड, आधार कार्ड और बैंक पासबुक आवश्यक दस्तावेज हैं।

भारतीय किसान यूनियन की पंचायत में संगठन को मजबूत करने का लिया निर्णय

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुरादनगर क्षेत्र के कुर्सी गांव में भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी के नेतृत्व में एक पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत में पुष्कर त्यागी सैकड़ों कार्यकताओं एवं समर्थकों के साथ भारतीय किसान यूनियन किसान सभा में सम्मिलित हुए संगठन को गाजियाबाद जिले में मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण घोषणा की गई। पंचायत में पुष्कर त्यागी को भारतीय किसान यूनियन किसान सभा का गाजियाबाद जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने कहा गाजियाबाद जिले के प्रत्येक गांव और क्षेत्र में संगठन को मजबूत किया जाएगा तथा अधिक से अधिक किसानों युवाओं अन्य लोगों को संगठन में जोड़ा जाएगा। मुरादनगर क्षेत्र में बढ़ते अपराध डकैती, हत्या क्षेत्र में बढ़ती जा रही है जल्द ही उन पर अंकुश ना लगा तो एक बड़ा आंदोलन मुरादनगर डीसीपी कार्यालय पर किया जाएगा। पंचायत रविवार देर रात तक चली पंचायत की अध्यक्षता हरिओम त्यागी ने की संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष अमरीश त्यागी ने किया। पंचायत में दीपक त्यागी,आकाश त्यागी,पप्पू त्यागी अवनीश प्रधान, सचिन त्यागी, सुबोध कुमार, आशीष गर्ग, मदनलाल फौजी, अभिषेक वर्मा, मनोज कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

हिंडन विहार में कबाड़ गोदाम धधका, कार पार्ट्स काटने के दौरान लगी भीषण आग

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। हिंडन विहार क्षेत्र में सोमवार को एक कबाड़ के गोदाम में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। गोदाम में पुराने वाहनों के कार पार्ट्स काटने और कबाड़ का काम किया जाता था। आग लगते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकल की चार गाड़ियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग की लपटें तेज होने के कारण कुछ समय तक मौके पर धुएं का गुबार छाया रहा।

दमकल कर्मियों ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आग को आसपास के क्षेत्र में फैलने से रोक लिया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर कार पार्ट्स काटने के दौरान चिंगारी उठने की आशंका जताई जा रही है।

'भाई'. शब्द न बोलने पर भिड़े दो पक्ष, खूनी संघर्ष में अधेड़ की मौत; पांच घायल

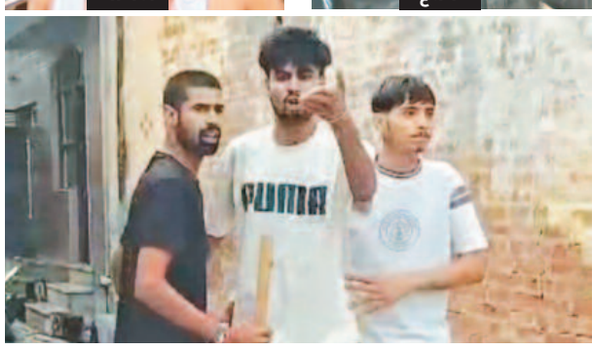

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के कन्नौजा गांव में रविवार शाम 'भाई'. शब्द का इस्तेमाल न करने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें करीब 50 वर्षीय देवेंद्र शर्मा उर्फ लाला गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

संघर्ष में पांच अन्य लोगों के घायल होने की भी सूचना है। घटना 30 अगस्त की शाम करीब चार बजे की बताई गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया। घटना के बाद गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस विवाद के वास्तविक कारणों और घटना में शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। जांच के आधार पर आरोपियों के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन प्रहार का वार : मसूरी पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ दो युवकों को दबोचा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना मसूरी पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत चेकिंग के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 30 अगस्त 2026 को थाना मसूरी पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधि के आधार पर इमरान (23) पुत्र रहीसुद्दीन, निवासी ईदगाह बस्ती, चौकी चामुंडा, थाना मुरादनगर, हाल निवासी मधुबन-बापूधाम क्षेत्र तथा रिहान (19) पुत्र नौशाद, निवासी चमड़ा पेठ, थाना लोहियानगर, मेरठ, हाल निवासी मधुबन-बापूधाम को गिरफ्तार किया गया।

तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 01 अवैध तमंचा 315 बोर मय 01 जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर थाना मसूरी में धारा 3/25/9 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गोआश्रयों में अचानक पहुंचा गोसेवा आयोग, 1,923 गोवंश की व्यवस्थाएं परखीं

गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष व सदस्य ने नंदी पार्क और पट्टी गोआश्रय स्थल का किया निरीक्षण

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल एवं सदस्य दीपक गोयल ने सोमवार को जनपद के गोआश्रय स्थलों का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नंदी पार्क में कुल 1,923 गोवंश संरक्षित मिले। अधिकारियों ने साफ-सफाई, भरण-पोषण और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को संतोषजनक पाया। इस दौरान मृत्यु अभिलेख, चारा लॉगबुक, भूसा अभिलेख और गोवंश लॉगबुक की भी जांच की गई। इसके बाद टीम ने भोजपुर के पट्टी स्थित स्थायी गोआश्रय स्थल का निरीक्षण किया, जहां 155 गोवंश मिले। यहां भूसा, दाना और हरा चारा पर्याप्त पाया गया। पथरीली जमीन के कारण हरे चारे के अपेक्षित विकास न होने पर दोबारा बुवाई कराने के निर्देश दिए गए। उपाध्यक्ष ने बीमार गोवंशों की नियमित चिकित्सा, स्वच्छ पेयजल, नांद और पानी की टंकियों की सफाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि गोवंशों के साथ संवेदनशील व्यवहार हो और ऐसी रस्सी न बांधी जाए, जिससे उन्हें चोट या परेशानी हो।

भारत कौशल प्रतियोगिता को लेकर प्रशासन की कवायद तेज, 63 कौशलों में पंजीकरण के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। भारत कौशल प्रतियोगिता 2026-27 के सफल आयोजन और जिला कौशल विकास प्लान तैयार करने को लेकर मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में 18 विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अधिकारियों को स्किल इंडिया डिजिटल हब पोर्टल पर 63 कौशलों के पात्रता मानदंड के अनुसार प्रशिक्षणार्थियों का अधिक से अधिक पंजीकरण कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में स्वरोजगार और रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रमुख सेक्टर और कोर्स चयन पर चर्चा हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने उद्योगों की मांग के अनुरूप ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स सहित अन्य प्रमुख सेक्टरों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। प्रशिक्षणार्थियों को उद्योगों की कार्यप्रणाली से रूबरू कराने के लिए इंडस्ट्री विजिट कराने पर भी जोर दिया गया।

एमआईएस मैनेजर को समाज कल्याण विभाग के साथ समन्वय कर शैक्षणिक संस्थानों में कार्यशालाएं आयोजित कराने और अधिक से अधिक पात्र युवाओं का प्रतियोगिता में पंजीकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

नशे में धुत्त कार सवार ने पेट्रोल पंप पर मचाया तांडव, कई लोगों को कुचला

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना, पंप कर्मी समेत कई लोग घायल; पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कोतवाली थाना क्षेत्र में सिविल लाइन पुलिस चौकी के पास स्थित चौधरी फ्यूल पंप पर बीती रात तेज रफ्तार स्विफ्ट कार सवार ने जमकर तांडव मचाया। आरोप है कि नशे की हालत में कार चला रहे युवक ने पेट्रोल पंप पर मौजूद कर्मचारियों और ग्राहकों को सीधी टक्कर मार दी। हादसे में कई लोग घायल हो गए, जबकि एक पेट्रोल पंप कर्मी को गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद कार सवार मौके से फरार हो गया। पूरी घटना पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। बताया गया कि कार की चपेट में कई लोगों के आने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। समय रहते अन्य लोग बच गए, वरना हादसा और भी गंभीर हो सकता था। घटना के संबंध में पीड़ित पेट्रोल पंप कर्मियों की ओर से पुलिस को शिकायत दी गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी कार चालक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटनाक्रम की पड़ताल की जा रही है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

जीएसटी फर्जीवाड़े पर पुलिस का शिकंजा, तीन एसआईटी करेंगी 30 से ज्यादा मामलों की जांच

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जीएसटी से जुड़े फजीर्वाड़े के मामलों में प्रभावी कार्रवाई और लंबे समय से लंबित विवेचनाओं में तेजी लाने के लिए गाजियाबाद पुलिस ने अब जांच का दायरा बढ़ा दिया है। पुलिस ने थानास्तर पर दो विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की हैं। नगर जोन में कोतवाली और ट्रांस हिंडन जोन में इंदिरापुरम थाने में एसआईटी का गठन किया गया है। दोनों टीमों को करीब 10-10 मुकदमों की जांच सौंपी गई है। वहीं क्राइम ब्रांच में पहले से गठित एसआईटी 15 मामलों की अलग से जांच कर रही है। इस तरह जिले में जीएसटी फजीर्वाड़े से जुड़े मामलों की जांच के लिए अब तीन एसआईटी सक्रिय हो गई हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पिछले एक वर्ष में जिले में जीएसटी फजीर्वाड़े से संबंधित 30 से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इनमें अधिकांश मामलों में अभी तक आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। जांच में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण अब थानास्तर पर विशेष टीम गठित कर मामलों की निगरानी के साथ विवेचना में तेजी लाने की कवायद शुरू की गई है। जीएसटी फजीर्वाड़े के दर्ज मामलों में करीब 10 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी सामने आई है। फर्जी फर्मों, कूटरचित दस्तावेजों और फर्जी बिलों के माध्यम से किए गए इस फजीर्वाड़े से सरकारी राजस्व को भी नुकसान पहुंचा है। ऐसे मामलों में आरोपितों तक पहुंचना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। जांच के दौरान पुलिस को फर्जी फर्मों के दस्तावेज, बैंक खातों, लेनदेन और बिलों से जुड़े रिकॉर्ड की पड़ताल करनी पड़ रही है।

दबंगों से जमीन कब्जामुक्त कराना प्राथमिकता, हर पीड़ित को मिलेगा न्याय : डीएम

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। भूमि कब्जा, राजस्व विवाद, अतिक्रमण, पेंशन, राशन कार्ड, जलापूर्ति समेत विभिन्न शिकायतों पर उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण नहीं, बल्कि पीड़ित को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए।

खोड़ा निवासी सुमन ने सजवान नगर स्थित अपने प्लॉट पर दबंगों के कब्जे की शिकायत की। डीएम ने एसडीएम सदर को निर्देश दिए कि पात्र व्यक्ति की संपत्ति पर कब्जा करने वालों को हटाकर वास्तविक मालिक को कब्जा दिलाया जाए। उन्होंने कहा, 'न्याय दिलाना हमारा कार्य है।'

दिव्यांगजनों ने आवास की मांग रखी, जिस पर डीएम ने योजना के तहत आवास दिलाने का आश्वासन दिया। कैंसर पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए सीएम राहत कोष और आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में एडीएम प्रशासन ज्योति मौर्या समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति की पाठशाला: छात्राओं को बताए सुरक्षा के गुर, विपरीत हालात में सजग रहने की दी सीख

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना विजयनगर क्षेत्र में सोमवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली श्रीमती उपासना पाण्डेय, प्रभारी निरीक्षक एवं मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं से संवाद कर उन्हें सुरक्षित रहने के उपाय बताए। पुलिस टीम ने छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में घबराने के बजाय सतर्कता और सूझबूझ से काम लेने की सलाह दी। साथ ही किसी भी तरह की परेशानी या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं को पुलिस की कार्यप्रणाली तथा महिलाओं की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि महिला सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। जागरूकता और सतर्कता के जरिए छात्राएं स्वयं को सुरक्षित रखते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकती हैं।

मैं तेरी बाँसुरी बनूँ में गूंजे संवेदना के सुर, अलका शर्मा के नवीनतम काव्य-संग्रह का हुआ लोकार्पण

वेलकम इंडिया संवाददाता

एनसीआर। सुप्रसिद्ध कवयित्री एवं साहित्यकार अलका शर्मा के नवीनतम काव्य-संग्रह मैं तेरी बाँसुरी बनूँ का लोकार्पण, सम्मान समारोह एवं कविता सम्मेलन नोएडा सेक्टर-38 स्थित गोल्फ कोर्स क्लब में साहित्यिक गरिमा और सृजनात्मक माहौल के बीच आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित साहित्यकारों और कवियों ने शिरकत की। काव्य संग्रह के लोकार्पण के साथ आयोजित कविता सम्मेलन में कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को भावनाओं, संवेदनाओं और जीवन के विविध रंगों से रूबरू कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात भाषावैज्ञानिक एवं साहित्यकार महावीर सरन जैन ने की, जबकि मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एवं साहित्यकार सी. बी. सिंह रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में प्रसिद्ध कवि नरेश शांडिल्य, पूर्व उपसचिव हिन्दी अकादमी दिल्ली ऋषि कुमार शर्मा तथा सुप्रसिद्ध कवि मनोज अबोध मौजूद रहे। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन कवि, पत्रकार एवं प्रकाशक डॉ. चेतन आनंद ने किया।